भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

पद्मानने पद्मिनी पद्मपत्रे पद्मप्रिये पद्मदलायताक्षि विश्वप्रिये विश्वमनोनुकूले त्वत्पादपद्मं मयि सन्निधस्त्व।।
हिरण्यवर्णां हरिणीं, सुवर्णरजतस्त्रजाम्। चन्द्रां हिरण्मयीं लक्ष्मीं, जातवेदो म आ वह।

जातीय आधार पर जनसंख्या गणना के पीछे कोई उद्देश्य तो है!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

हमारे देश और संस्कृति में जातियां समाज का अभिन्न अंग रही हैं। मनुष्य जब सभ्यता के साथ रहना सीख रहा था तो उसको सामाजिक व्यवस्था एवं एक दूसरे से जुड़े रहने के लिए जातियां होना जरूरी लगा होगा। एक समय था जब जातियां एक सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने के लिए जरूरी थी। कोई भी शुभ कार्य एक दूसरी जाति के सहयोग के बिना संभव ही नहीं था। जन्म से लेकर परण से होते हुए मरण तक के कार्य संपूर्ण जातियों में बंटे हुए थे। एक दूसरी जातीय सहयोग के बिना यह सब नहीं हो सकता था। ऐसा ताना-बाना बुना था हमारे पूर्वजों ने। मगर अब जातियों को वोट बैंक बनाकर राजनीति दल इनका दोहन कर रहे हैं। चुनावों में जीतने के लिए जातीय समीकरण बनाकर इनका ध्रुवीकरण किया जाता है। एक दूसरी जाति को आपस में लड़ाया जाता है। यह तो हुई चुनाव की गणित। वर्तमान में समाज तो जातियों को भूलकर एक हो रहा है। मगर जो सरकार और नेता जातिवाद को मिटाने की बातें गाहे-बगाहे करते रहते हैं वही जातियों को जिंदा रखे हुए हैं। जाति के आधार पर आरक्षण दे रखा है। अगर समाज को एकजुट रखना है तो सरकारी नौकरियों में जाति के आधार को खत्म कर देना चाहिए। मगर ऐसा नहीं हो रहा है। हाथी के दांत दिखाने के और तथा खाने के और होते हैं। संविधान में सबको समान अधिकार होने के बावजूद जाति आधार पर आरक्षण की भी व्यवस्था है जो स्थाई नहीं है। जबकि दूसरी ओर जातियों खत्म कर समाज को एकजुट करने की बातें होती है। जबकि राजनीतिक दल अब एक नया नासूर पैदा करने की बातें कर रहे हैं कि जनगणना जातीय आधार पर होनी चाहिए। एक राज्य में तो इस आधार पर जनगणना हो भी रही है। इस तरह की जनगणना के पीछे कुछ ना कुछ चल जरूर रहा है। हो सकता है जातीय प्रतिशत के आधार पर सरकारी नौकरी और चुनावों में आरक्षण की बात दिमाग में कौंध रही हो मगर ऐसा होना नहीं चाहिए। वरना एक और नासूर हमारे समाज के ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने के लिए पैदा हो जाएगा। होना तो यह चाहिए कि बहुत हो गया आरक्षण का खेल। अब इसे खत्म कर नए सिरे से हमारे समाज की समरसता को बढ़ाने के लिए कार्य करने चाहिए। एक भारत श्रेष्ठ भारत के लिए यह जरूरी है।

shivdayalmishra@gmail.com

मुख्यमंत्री का कोलकाता दौरा : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानी मीट में रखा राजस्थान के विकास का विजन

विकसित राजस्थान में प्रवासी राजस्थानियों की बड़ी भूमिका

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी अपनी मातृभूमि से दूर होने के बावजूद अपनी परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक मूल्यों को कायम रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार दुनिया भर में रह रहे राजस्थानियों की कर्मभूमि और जन्मभूमि के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए आगामी 10 दिसंबर को जयपुर में प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन कर रही है। यह दिवस प्रवासी राजस्थानियों की उपलब्धियों का जश्न मनाने और अपनी मातृभूमि के साथ उनके जुड़ाव को गहरा करने के लिए एक समर्पित मंच का काम करेगा। उन्होंने सभी प्रवासी राजस्थानियों को इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आमंत्रण दिया।

शर्मा मंगलवार को कोलकाता में प्रवासी राजस्थानी मीट को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के आर्थिक विकास में प्रवासी राजस्थानियों का बड़ा योगदान है। मुख्यमंत्री ने पीढ़ी दर पीढ़ी राजस्थान की संस्कृति को संजोए रखने के लिए प्रवासी राजस्थानी समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां राज्य के युवाओं और भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजस्थान फाउंडेशन (आरएफ) के 26 चैप्टर देश के विभिन्न राज्यों और दुनिया के देशों में कार्यरत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में गतिशील, निवेशक-अनुकूल वातावरण निर्मित हुआ है और इससे उद्योग, व्यापार एवं बुनियादी ढाँचे के विकास में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन और अन्य उभरते क्षेत्रों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे राजस्थान के विकास में भागीदार बन सकें।

राजस्थान भारत का अग्रणी टेक्सटाइल सेंटर

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान देश के अग्रणी टेक्सटाइल सेंटर के रूप में उभरा है, जहां 1,500 से अधिक फैक्ट्रियां संचालित हैं। राज्य पॉलिएस्टर विस्कोस यार्न, कपास और ऊन का सबसे बड़ा उत्पादक है और कपास उत्पादन में चौथे स्थान पर है। हमारी नई टेक्सटाइल एंड अपेरल पॉलिसी नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में लगभग 85 प्रकार के खनिज पाए जाते हैं और प्रदेश देश में जस्ता, सीसा, चांदी, संगमरमर और बलुआ पत्थर का अग्रणी उत्पादक है। राज्य सरकार ने खनिज ब्लॉकों की नीलामी में तेजी लाने के लिए राजस्थान खनिज नीति 2024 और एम-सैंड नीति 2024 भी लागू की है।

राजस्थान सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भारत में प्रथम स्थान पर

शर्मा ने कहा कि राजस्थान की एचपीसीएल रिफाइनरी शीघ्र शुरू होने जा रही है। इसके साथ ही, डाउनस्ट्रीम उद्योगों को बढावा देने के लिए राजस्थान पेट्रो जोन विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा राजस्थान तेजी से भारत का हाइड्रोकार्बन और पेट्रोकेमिकल केंद्र बन रहा है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों को राज्य में अपनी इकाइयां स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया।

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड़, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

राष्ट्रपति मुर्मु आज राफेल लड़ाकू विमान में अंबाला से भरेंगी उडान

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु बुधवार को भारतीय वायु सेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल में उडान भरेंगी। राष्ट्रपति इससे पहले वायु सेना के सुखोई 30 एमकेआई लड़ाकू विमान में भी उडान भर चुकी हैं। राष्ट्रपति सचिवालय ने मंगलवार को बताया कि मुर्मु बुधवार को हरियाणा जायेंगी और वहां अंबाला वायु सेना स्टेशन से राफेल लड़ाकू विमान में उडान भरेंगी।

1 जनवरी से लागू होगा 8वां वेतन आयोग, कैनिबेट से टर्म ऑफ रेफरेंस को मंजूरी

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में आठवें वेतन आयोग को लेकर एक बड़ा अपडेट आया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आठवें वेतन आयोग के अधिकार और कार्यों की रूपरेखा तय कर दी है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आठवां वेतन आयोग संभवतः 18 माह में अपनी सिफारिशें दे सकता है। आयोग की सिफारिशों के एक जनवरी, 2026 से लागू होने की संभावना है। केंद्र सरकार के इस फैसले से करीब 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनभोगियों को लाभ होगा।

सरिस्का में युवा हो रहे 13 शावक क्षेत्र तलाशने निकलेंगे

अलवर @ जागरूक जनता। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का बाघ अभयारण्य में युवा होते 13 शावक जल्द ही अपने क्षेत्र बनाने के लिए निकलेंगे। वन विभाग के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सरिस्का बाघ अभयारण्य में बाघों के 21 शावक हैं, जिनमें 13 शावक इस वर्ष के अंत या नये वर्ष की शुरुआत में अपनी मां से अलग होकर अपना क्षेत्र तलाशेंगे। इनके लिए सरिस्का भी संभवतः छोटा पड़ेगा, क्योंकि एक बाघ का क्षेत्र करीब 40 से 50 किलोमीटर होता है। सरिस्का में इस वक्त 50 बाघ हैं, जिसमें 11 नर और 18 मादा हैं। इनके 21 शावक हो गये हैं।

धनतेरस, दीपावली व देव दीपोत्सव की आप सभी को मंगल कामनाएं

11 किमी में बनेंगे 10 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन

मेट्रो फेज-2 : पहले चरण में खर्च होंगे 1145.14 करोड़ रुपए

पहले चरण में बनने वाले स्टेशन

प्रह्लादपुरा, मानपुरा, बीलवा कला, बीलवा, गोनेर मोड़, सीतापुरा, जेईसीसी, कुंभा मार्ग, हल्दीघाटी गेट और पिंजरापोल गोशाला।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर में मेट्रो विस्तार को जल्द पंख लगने वाले हैं। दिसंबर के अंत तक या अगले वर्ष जनवरी के पहले सप्ताह में मेट्रो फेज-2 का काम शुरू होने की उम्मीद है। राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने इसके लिए निविदा जारी कर दी है। पहले चरण में काम के लिए 1145.14 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है और इसे करीब 34 माह में पूरा किया जाएगा। करीब 11 किमी में 10 एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनाए जाएंगे। माना जा रहा है कि जयपुर में मेट्रो फेज-2 का काम छह से सात चरणों में पूरा होगा। शेष चरणों की निविदा प्रक्रिया अगले डेढ़ से दो माह में पूरी कर ली जाएगी। राहत की बात यह है कि इस बार केंद्र सरकार से आर्थिक सहयोग भी मिलेगा। पहले ही दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) को जयपुर मेट्रो का सलाहकार नियुक्त किया जा चुका है।जयपुर मेट्रो के निदेशक वैभव गालरिया और कई अधिकारी इस समय यूरोप के दौरे पर हैं। वहां वे मेट्रो की नई तकनीक को समझेंगे और जो नवाचार होंगे, उन्हें फेज-2 में लागू किया जाएगा।

डीपीआर पर मुहर का इंतजार

राज्य सरकार ने फेज-2 की डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) केंद्र सरकार को भेज रखी है। विभिन्न मंत्रालयों में इस पर चर्चा भी हो चुकी है। बीते दिनों दिल्ली में पीएम गतिशक्ति के तहत नेटवर्क समूह योजना की बैठक में भी जयपुर मेट्रो विस्तार पर चर्चा हुई। इस बैठक में यह भी बताया गया कि टोंक रोड और सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र समेत जयपुर के प्रमुख विकास क्षेत्रों से संपर्क मजबूत होगा। यह कॉरिडोर चांदपोल स्टेशन पर चालू पूर्व-पश्चिम लाइन से और जयपुर जंक्शन मेट्रो स्टेशन पर फुटओवर ब्रिज के माध्यम से जुड़ेगा, जिससे यात्रियों का आवागमन सुगम होगा। यातायात की भीड़भाड़ कम होगी, वाहनों का उपयोग घटेगा, प्रदूषण कम होगा और ईंधन की खपत में कमी आएगी।

उपनगरों को जोड़ने की योजना

यह परियोजना आसपास के उपनगरों को भी सेवा प्रदान करेगी। टोडी मोड़ स्टेशन चौमूं के यात्रियों के लिए लाभकारी होगा। जबकि रिंग रोड के पास प्रस्तावित प्रह्लादपुरा स्टेशन चाकसू के यात्रियों के लिए उपयोगी होगा।

हाथोज धाम में अन्नकूट: विशिष्ट अतिथियों और श्रद्धालुआं ने लिया प्रसाद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर के कालवाड़ स्थित प्रसिद्ध हाथोज धाम में विशाल अन्नकूट महोत्सव का आयोजन हुआ। यह पावन आयोजन महंत और विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य के सान्निध्य में संपन्न हुआ। सुबह से ही धाम के मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगीं और भजन-जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। सैकड़ों भक्तों ने इस धार्मिक आयोजन में भाग लिया और अन्नकूट प्रसादी ग्रहण कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया।

महोत्सव में प्रदेश के कई विशिष्ट अतिथि भी शामिल हुए। इनमें प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा और मंत्री जवाहर सिंह बेढम प्रमुख थे। डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने दक्षिणमुखी बालाजी के दर्शन किए और प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने भक्तों से देश और समाज के कल्याण के लिए भी कामना करने का आह्वान किया।

मंत्री किरोड़ी लाल मीणा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी श्रद्धा व्यक्त की। हाथोज धाम के महंत स्वामी बालमुकुंदाचार्य ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सामंजस्य और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देते हैं। इस भव्य अन्नकूट महोत्सव ने सभी के दिलों को जोड़ा और धार्मिक आयोजनों की गरिमा को बढ़ाया।इस अवसर पर राजस्थान से पधारे संत महंत पलसाना महंत श्री मनोहरशरण दास जी महाराज,वीर हनुमान मंदिर समोद अवध बिहारी दास महाराज,बाबा रंधावा शनि धाम आश्रम, अयोध्या दास महाराज आमेर डूंगरी,श्री राम प्रपन्नाचार्य महाराज, सुदर्शनाचार्य महाराज, राजस्थान विप्र महासभा सहित बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश एवं जिला

जयपुर एयरपोर्ट से 13 नई फ्लाइट्स शुरू, भूटान-वियतनाम के लिए शुरू होंगी उड़ानें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार से विंटर शेड्यूल लागू हो गया है। नए शेड्यूल के तहत अब जयपुर से 37 शहरों के लिए हवाई संपर्क जुड़ गया है। पहले ही दिन यहां से 13 नई फ्लाइट्स की शुरुआत हुई। विशेष बात यह है कि इस बार जयपुर से भूटान और वियतनाम के बीच भी पहली बार सीधी उड़ानें शुरू हो गई। हालांकि, भूटान एयरवेज और वियतनाम एयरलाइंस ने फिलहाल अपना संचालन शेड्यूल जारी नहीं किया है, लेकिन दोनों को विंटर शेड्यूल में शामिल किया गया है।

माना जा रहा है कि इनकी उड़ानें अगले महीने से शुरू होंगी। एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार, इस विंटर शेड्यूल में कुल 37 शहरों के लिए 86 उड़ानें संचालित होंगी। इससे हर दिन जयपुर से औसतन 173 फ्लाइट्स उड़ान भरेंगी। फिलहाल, रविवार से 76 फ्लाइट्स का संचालन शुरू हुआ है, जिनमें 13 नई उड़ानें शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि जयपुर से जैसलमेर और जोधपुर के लिए भी उड़ानें फिर से शुरू की गई हैं।

ये नई फ्लाइट हुईं शुरू

» **एयर इंडिया एयरलाइंस :** मुंबई सुबह 8:15 बजे, दिल्ली दोपहर 1:55 बजे, दिल्ली सुबह 8:30 बजे, दिल्ली दोपहर 1:40 बजे और दिल्ली शाम 4:55 बजे।

» **इंडिगो एयरलाइंस :** गुवाहाटी सुबह 6:40 बजे, चेन्नई सुबह 10 बजे, जैसलमेर सुबह 9:20 बजे, जोधपुर सुबह 10:30 बजे, अहमदाबाद शाम 6:20 बजे, गोवा शाम 7:40 बजे और हैदराबाद रात 8:25 बजे।

» **एयर इंडिया एक्सप्रेस :** बेंगलूरु सुबह 11:20 बजे।

ये इंटरनेशनल फ्लाइट होंगी शुरू

» **एयरलाइंस डेस्टिनेशन :** भूटान एयरवेज पारो (भूटान) और वियतनाम एयरलाइंस हनोई (वियतनाम)।

ये इंटरनेशनल फ्लाइट्स हो रहीं संचालित

एअर इंडिया एक्सप्रेस-दुबई-रात 1:10 बजे, स्पाइसजेट दुबई-सुबह-9:40 बजे, एतिहाद एयरलाइन अबूधाबी-तड़के-3:15 बजे, एयर अरेबिया शारजाह-सुबह-4:45 बजे, एयर एशिया कुआलालंपुर-रात-10:50 बजे और थाई एयर एशिया

विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा क्षेत्रीय अभ्यास वर्ग राजस्थान आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित क्षेत्रीय अभ्यास वर्ग, राजस्थान सेवा धाम परिसर, जवाहर नगर, जयपुर में आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश भर के महाविद्यालयों से शिक्षाविद्, प्राचार्य एवं सेवानिवृत्त आचार्यगणों ने सहभागिता की। उद्घाटन सत्र का शुभारंभ के. रघुनंदन जी की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर डॉ. अल्पना कटेजा, कुलपति, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर उद्बोधन दिया। दोपहर के सत्र में डॉ. राजेशव्यास, संयोजक, विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान, गुजरात ने 'भारतीय शिक्षा दर्शन एवं शिक्षक की भूमिका' विषय पर वक्तव्य दिया। सायंकालीन सत्र में डॉ. संजय शर्मा, संयोजक, VBUSS राजस्थान ने वैश्विक सततता विमर्श में भारत : भारतीय ज्ञान परंपरा में पर्यावरणीय प्रज्ञा' विषय पर प्रस्तुति दी। अंतिम सत्र में NSIL–2026 पर विचार-विमर्श हुआ।

राजस्थान के सातों संभागों में आयोजित होगा घूमर महोत्सव

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल पर राज्य सरकार द्वारा 19 नवंबर को राज्य के सातों संभागीय मुख्यालयों पर घूमर महोत्सव-2025 का आयोजन किया जाएगा। पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियाड़ ने मंगलवार को बताया कि यह महोत्सव शाम छह बजे से शुरू होगा, जिसमें राज्य की पारंपरिक शाही धरोहर घूमर नृत्य, को नए उत्साह और रंगत के साथ प्रस्तुत किया जाएगा।

सरकारी विद्यालयों व छात्रावासों में होगा स्वदेशी उत्पादों का उपयोग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश के सरकारी स्कूलों व छात्रावासों में अब विदेशी कंपनियों के उत्पादों का उपयोग नहीं होगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने आदेश जारी कर स्पष्ट किया कि केवल सरकारी एजेंसियों की ओर से निर्मित स्वदेशी वस्तुओं का ही उपयोग किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा विभाग के अधीनस्थ सभी कार्यालय में अब केवल भारत में निर्मित वस्तुओं का ही क्रय किया जाएगा। इस पहल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और लाखों महिलाओं एवं किसानों की आजीविका को सहारा मिलेगा। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यदि कोई विदेशी उत्पाद खरीदा गया तो संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई करने के साथ ही वसूली की जाएगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

इस पहल से ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और लाखों महिलाओं एवं किसानों की आजीविका को सहारा मिलेगा। राजीविका, राजफेड और खादी ग्रामोद्योग बोर्ड सहित अन्य सरकारी एजेंसियों से खरीद करने पर इन संस्थाओं के कारीगरों, किसानों और स्वयं सहायता समूहों की भी आय बढ़ेगी।

इन संस्थाओं के उत्पाद कर सकेंगे उपयोग

» राजीविका के पापड़, आचार, मसालें, हर्बल उत्पाद, हस्तशिल्प, स्टेशनरी।
» राजफेड के खाद्य अनाज, दालें, खाद बीज और उपभोक्ता वस्तुएं।
» खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड से खादी वस्त्र, ऊनी कपड़े, हैंडलूम, हर्बल साबुन

वैज्ञानिकों ने किया कृषकों के खेतों में भ्रमण

जयपुर @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (सब्जी फसल), राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा के वैज्ञानिकों ने सब्जी बोने वाले कृषकों के खेतों में भ्रमण किया इस अवसर पर ग्राम सुरपुरा, बोराज, चंद्रभानपुरा, बेगस एवं आस-पास के गांवो में सब्जी उत्पादक करने वाले किसानो को आधुनिक उत्पादन की जानकारी दी डॉ. एस. के. बैरवा, परियोजना प्रभारी, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (सब्जी फसल), राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा, ने रबी सब्जियों की उन्नत किस्मों के बारे मे विस्तृत रूप से जानकारी प्रदान की। डॉ. योगेश कुमार शर्मा, सहायक आचार्य (उद्यान विज्ञान), राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा ने सब्जियो की बुवाई एवं पोषक तत्वो के उपयोग की जानकारी दी। डॉ. आर. के. बागडी, आचार्य, (पादप रोग विज्ञान) ने सब्जियो मे लगने वाली विभिन्न रोगों के रोकथाम के उपाय बीजोपचार एवं दवाइयों का छिड़काव सावधानी पूर्वक करने के बारे में जानकारी।

गोपाष्टमी पर सभी पात्र गौशालाओं में मनाया जाएगा महोत्सव

जयपुर @ जागरूक जनता। गोपाष्टमी पर्व के अवसर पर प्रदेश की सभी पात्र गौशालाओं में गोपाष्टमी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर गौसेवा, गौपूजन, तथा गौ संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। गोपालन निदेशक पंकज ओझा ने बताया कि मुख्यमंत्री और विभाग के मंत्री जोराराम के निर्देश पर विभाग के सचिव समित शर्मा के द्वारा प्रवर्तित नावाचार के तहत गोपाष्टमी का पर्व गौमाता के प्रति श्रद्धा और सेवा भाव का प्रतीक है। इस दिन प्रदेश की सभी पंजीकृत और पात्र गौशालाओं में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर गौसेवा के महत्व को रेखांकित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों की गौशालाओं में आयोजित कार्यक्रमों की मॉनिटरिंग करें तथा अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित कराएं। गोपाष्टमी महोत्सव के दौरान 29 और 30 अक्टूबर को प्रदेश की समस्त पात्र गौशालाओं में गौमाता की पूजा-अर्चना, गौरक्षा संकल्प, गौचारा वितरण, गौसेवा शिविर तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी जागरूकता गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएंगी। साथ ही, गौशाला प्रबंधन समितियों द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की सहभागिता से गौसेवा को लोकआंदोलन के रूप में विस्तार देने के प्रयास किए जाएंगे।

माइनिंग सेक्टर में समन्वित प्रयासों से अर्जित करेंगे बड़ा राजस्व लक्ष्य

26 अक्टूबर तक 4866.17 करोड़ राजस्व संग्रहित, गत वर्ष की तुलना में 115 करोड़ अधिक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने कहा है कि बड़े राजस्व लक्ष्य को प्राप्त करना बड़ी चुनौती है पर इसे समन्वित प्रयासों से अर्जित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 26 अक्टूबर तक विभाग द्वारा गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 115 करोड़ रुपए अधिक राजस्व संग्रहित करते हुए 4866 करोड़ 17 लाख रुपए का राजस्व संग्रहित किया जा चुका है। वित्तीय वर्ष के आगामी माहों में हमें राजस्व छीजत रोकने, अधिक से अधिक राजस्व वसूल करने और माइनिंग सेक्टर में राजस्व वसूली के लक्ष्य को अर्जित करने संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। गत वित्तीय वर्ष में इस अवधि तक 4751 करोड़ 57 लाख रुपए का राजस्व जमा हुआ था। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने और नित नए आयाम स्थापित करने पर जोर देते रहे हैं। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त मंगलवार को

बीसलपुर डेम फिर छलका, एक गेट आधा मीटर खोलकर की जल निकासी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में इस बार मेघ जमकर मेहरबान हो रहे हैं। मानसून की विदाई के बाद सितंबर में फिर से बारिश का दौर रहा तो अब पश्चिमी विक्षोभ के असर से कई जिलों में भारी बारिश का दौर सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने अगले 48 घंटे में प्रदेश के करीब 23 जिलों में मूसलाधार बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। जयपुर की लाइफ लाइन बीसलपुर डेम फिर से छलक पड़ा है और डेम में पानी का प्रेशर कम करने के लिए फिर से डेम का एक गेट मंगलवार दोपहर खोला गया है। भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ जिले में हुई मूसलाधार बारिश से त्रिवेणी में पानी का बहाव 3.30 मीटर तक जा पहुंचा। इसके चलते जयपुर की लाइफलाइन बीसलपुर डेम में पानी के दबाव को कम करने की गरज से डेम का एक गेट आधा मीटर तक खोलकर 3005 क्यूसेक पानी की निकासी शुरू की गई है। मानसून की विदाई होने के बाद बीते 21 अक्टूबर को डेम के सभी गेट बंद कर दिए गए थे। बीसलपुर डेम का मंगलवार को जलस्तर 315.50 आरएल मीटर दर्ज हुआ है।

राज्यपाल बागडे से विधानसभा अध्यक्ष देवनानी, पुलिस महानिदेशक गुप्ता की शिष्टाचार भेंट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से विस अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजभवन पहुंचकर मुलाकात की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। राज्यपाल बागडे से बाद में उन्होंने राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संवाद किया। उधर, राजभवन में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने मुलाकात की। महानिदेशक का पदभार ग्रहण करने के बाद राज्यपाल से उनकी यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
ग्राम पंचायत-आमथला
अपील : आबादी /गोचर भूमि में अवैध अतिक्रमण नहीं करें। अपने आसपास एवं ग्राम को साफ-सुथरा रखें एवं स्वच्छता अपनायें। खुले में शैच न करें, टॉयलेट का उपयोग करें।
दिनेश कुमार भील — प्रशासक
आर्यन भारद्वाज — ग्रा.वि. अधिकारी
एवं समस्त वार्ड पंच एवं ग्रामवासी

Happy Diwali
आप सभी को दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए
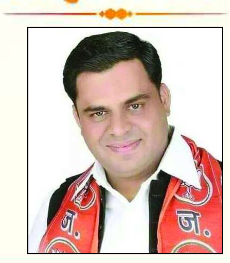
श्याम सुन्दर मुंदड़ा
पूर्व पार्षद, निम्बाहेडा

महावीर सर्जिकल एंड मैटरनिटी नर्सिंग होम
RGHS, ESIC एवं रेल्वे, MAA-YOJNA से अधिकृत हॉस्पिटल एवं प्राइवेट केशलेस मेडिक्लेम की सुविधा
The Hand that Cares

DR. Mahaveer Prasad Bansal
General Surgeon (MBBS MS)
मोड्युलर ऑपरेशन थियेटर
डायलेसिस की सुविधा उपलब्ध
फिजियोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
24X7 एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध
उपलब्ध सुविधाएं
जनरल सर्जरी
स्त्री रोग और प्रसुति
लेप्रोस्कोपी सर्जरी
दन्त चिकित्सा
हड्डी रोग
बाल रोग
सोनोग्राफी & X-RAY
युरोलोजी
Dr. Ajay Singla, Gen. & Laparoscopic Surgeon (MBBS, MS)
Dr. Neelu Singla, Obstetrics & Gynecology (MBBS, MS)
Dr. Nitesh Bansal, Ortho Dentist (BDS, MDS)
Dr. Anil Bhoyar, Orthopedic (MBBS, D-Ortho)
Dr. Kirti Bansal, Endo Dentist (EDS, MDS)
Dr. Vaibhav Vishal, Urology (MBBS, MCH)
Dr. Surendra, General Medicine (MBBS)

दीपावली की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं
कार्यालय ग्राम पंचायत-वालोरिया
जानकी राम — प्रशासक
सुरेश पुरोहित — ग्रा.वि. अधिकारी
अपील
आबादी /गोचर भूमि में अवैध अतिक्रमण नहीं करें। अपने आसपास एवं ग्राम को साफ-सुथरा रखें एवं स्वच्छता अपनायें। खुले में शैच न करें, टॉयलेट का उपयोग करें।
प्रशासकीय समिति सदस्यः निर्मल कुमार सुनीता देवी, मुनाराम, रेखा देवी, पवनी देवी, चंदाराम, रूपी देवी, सीता देवी, धर्माराम, राणाराम, मेलाराम एवं समस्त ग्रामवासी, ग्राम पंचायत वालोरिया

दीपावली की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं
कार्यालय ग्राम पंचायत-पेशुआ
मनोहरदान आढ़ा — प्रशासक
श्री जोर सिंह काबा — ग्रा.वि. अधिकारी
अपील
आबादी /गोचर भूमि में अवैध अतिक्रमण नहीं करें। अपने आसपास एवं ग्राम को साफ-सुथरा रखें एवं स्वच्छता अपनायें। खुले में शैच न करें, टॉयलेट का उपयोग करें।
प्रशासकीय समिति सदस्यःअरविन्द दान आढा, राधा देवी मेघवाल, कन्हैयालाल प्रजापत, ओटीबाई भील, होजी देवी देवासी, प्रवीण सिंह आढ़ा, नर्मदा बाई, दिनेश कुमार, रामलाल मेघवाल ग्राम पंचायत पेशुआ पंचायत समिति पिण्डवाड़ा जिला-सिरोही

दीपावली की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं
कार्यालय ग्राम पंचायत-सनावाड़ा आर
श्रीमती सोपा बाई — प्रशासक
श्री सुरेश पुरोहित — ग्रा.वि. अधिकारी
अपील
आबादी /गोचर भूमि में अवैध अतिक्रमण नहीं करें। अपने आसपास एवं ग्राम को साफ-सुथरा रखें एवं स्वच्छता अपनायें। खुले में शैच न करें, टॉयलेट का उपयोग करें।
प्रशासकीय समिति सदस्यः रंजन कुंवर, रूपालाल, रमेश कुमार, जमना देवी, गणेशराम, मोड़ना देवी, पाबू सिंह, भूरी देवी, रमेश कुमार, पंचायत सहायक हनुमान मेघवाल, रमेश कुमार, श्रवण गरासिया एवं समस्त ग्रामवासी, ग्राम पंचायत सनवाड़ा-आर पंचायत समिति पिण्डवाड़ा, जिला-सिरोही

मंगलमय दीपोत्सव की हार्दिक शुभकमनाएं
कार्यालय ग्राम पंचायत-रामपुरा
(पंचायत समिति पिण्डवाड़ा, जिला सिरोही - राज.)
अपील
आबादी / गोचर भूमि में अवैध अतिक्रमण नहीं करे। अपने आस-पास एवं ग्राम को साफ- सुथरा रखे एवं स्वच्छता अपनाये। खुले में शौच न करें, टॉयलेट का उपयोग करे।
श्री पुष्पेन्द्र सिंह देवड़ा — प्रशासक
श्री सुमरन सिंह मीणा — ग्रा.वि. अधिकारी
प्रशासकीय सदस्य – श्री लीलाराम रेबारी, इंद्रादेवी, संतोष देवी, मगनलाल हिरागर, प्रभुराम ग्रासीया, अनितादेवी, मोहनलाल ग्रासीया, हंजादेवी, भूराराराम ग्रासीया, योगेन्द्रसिंह राठौड़ ,एवं समस्त ग्रामवासी रामपुरा

क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
ग्राम पंचायत-अजारी
अपील
आबादी /गोचर भूमि में अवैध अतिक्रमण नहीं करें। अपने आसपास एवं ग्राम को साफ-सुथरा रखें एवं स्वच्छता अपनायें। खुले में शैच न करें, टॉयलेट का उपयोग करें।
लीला देवी — प्रशासक
नीरू मीणा — ग्रा.वि. अधिकारी

दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
ग्राम पंचायत-भारजा
अपील : आबादी /गोचर भूमि में अवैध अतिक्रमण नहीं करें। अपने आसपास एवं ग्राम को साफ-सुथरा रखें एवं स्वच्छता अपनायें। खुले में शैच न करें, टॉयलेट का उपयोग करें।
प्रशासक पुखराज प्रजापत
ग्रा.वि. अधिकारी महेन्द्र सिंह
एवं समस्त वार्ड पंच एवं ग्रामवासी

दीपावली एवं लाभ पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं

ENGLISH MEDIUM (Recognised by Govt of Rajasthan) Will Qualified Teacher for all the Subjects.
ST. JOSEPH'S SEC. SCHOOL
With Complements From Member of the Managing Committee, Principal, Staff & stundents
Address : Mount Abu
Mob: 9571812105, 9588019669
E-mail: sjsmtabu@gmail.com

Havemor
Shobit Singhal
की ओर से आप सभी को धन तेरस दीपावली व देव दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

दीपावली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ
कार्यालय ग्राम पंचायत ठण्डीवेरी
ग्राम पंचायत पिंडवाड़ा, जिला-सिरोही
कविता देवी — प्रशासक
नरेश राजपुरोहित — ग्रा.वि.अधिकारी
अपील : आबादी /गोचर भूमि में अवैध अतिक्रमण नहीं करें। अपने आसपास एवं ग्राम को साफ-सुथरा रखें एवं स्वच्छता अपनायें। खुले में शैच न करें, टॉयलेट का उपयोग करें।
व समस्त वार्ड पंच, ग्रामवासी

क्षेत्रवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
ग्राम पंचायत-भावरी
अपील : आबादी /गोचर भूमि में अवैध अतिक्रमण नहीं करें। अपने आसपास एवं ग्राम को साफ-सुथरा रखें एवं स्वच्छता अपनायें। खुले में शैच न करें, टॉयलेट का उपयोग करें।
मगनी देवी कलबी — प्रशासक
जितेन्द्र सिंह — ग्रा.वि. अधिकारी

दीपावली की बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं
ग्राम पंचायत,नितोड़ा
(पंचायत समिति पिण्डवाड़ा, जिला सिरोही (राज.))
अपील
आबादी / गोचर भूमि में अवैध अतिक्रमण नहीं करे। अपने आस-पास एवं ग्राम को साफ- सुथरा रखे एवं स्वच्छता अपनाये। खुले में शौच न करें, टॉयलेट का उपयोग करे।
श्रीमती ज्योत्सना देवी पुरोहित — प्रशासक
श्री ईश्वर रावल — ग्रा.वि अधिकारी
प्रशासकीय समिति सदस्य :– श्रीमती सोदरी बाई रेबारी, श्रीमती मेनकोदवी ग्रासीया, विनोद कुमार, श्रीमती गंगादेवी कलबी, जयंतिलाल भील, जगदीश कुमार भील,श्रीमति ललिता देवी पुरोहित, महेन्द्र कुमार घांची, श्रीमती शारदादेवी प्रजापत, सोमाराम सुथार, दिनेश कुमार घांची , एवं समस्त ग्राम पंचायत नितोड़ा।

दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं
SATGURU
CREDIT CO-OPERATIVE SOCIETY LTD.

Suresh Lalwani
Head Office : Hotel Banjara ke Samne, Mount Abu - 307501
Mo.- 9414152211

Rigvay
Let's be Successful Together
Happy Diwali
@rigvaycars

DIRECTION IS MORE IMPORTANT THAN SPEED
BUY THE RIGHT CAR FROM THE RIGHT PLACE
Used Cars
ALL Under ONE Roof

धनतेरस, दीपावली व देव दीपोत्सव की आप सभी को मंगल कामनाएं
CHACHA INN
The Garden Retreat
Nothing But the Best
We are Top Rated Hotel in the Entire Mount Abu
Chacha Group at Your Service in Mount Abu for over Six Decad
CHACHA INN — The Garden Retret
CHACHA CAFE — Rooftop Bar & Restaurant
CHACHA MUSEUM — The Museum Like Shop
CHACHA VILLA — In The Foothills of Mount Abu

Chacha.Inn @chachainn
Main Road, Mount Abu- 307501
For Reservations Contact :-
Mr. Nirav Gujral +91 9829702070
Mr. Nirmal Prajapati +91 9928632807
Mr. Alok Chaturvedi +91 9414356462

सम्पादकीय

ORS लेबल पर प्रतिबंध के बाद अन्य उत्पादों पर भी पुनर्विचार होना चाहिए

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की ओर से खाद्य एवं पेय पदार्थ निर्माताओं द्वारा 'ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन' (ओआरएस) शब्द के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का परामर्श बहुत पहले आ जाना चाहिए था। बाल रोग विशेषज्ञों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा आठ साल से चलाए जा रहे अभियान का नतीजा यह परामर्श है कि उत्पादों के नाम, लेबल और ट्रेडमार्क में, यहां तक कि उत्पाद के नाम के आगे या पीछे भी इस शब्द का इस्तेमाल वर्जित है। केवल विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों के अनुरूप और दवा की दुकानों में बेचे जाने वाले औषधीय ओआरएस उत्पादों को ही इस शब्द के इस्तेमाल की अनुमति होगी। यह परामर्श न केवल निर्जलीकरण की स्थिति में ओआरएस के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने में मददगार साबित होगा, बल्कि इससे उपभोक्ता एजेंसियां खाद्य एवं सौंदर्य प्रसाधनों पर अर्द्ध-औषधीय दावों पर नए सिरे से विचार करने के लिए भी प्रेरित होंगी।

ओआरएस मूलतः पानी, ग्लूकोज और सोडियम व पोटैशियम जैसे आवश्यक इलेक्ट्रोलाइट का चिकित्सकीय रूप से तैयार किया गया मिश्रण होता है। यह निर्जलीकरण के कारण शरीर से निकले तरल पदार्थों और लवणों की पूर्ति करता है। पिछले दो दशकों में यह देखा गया है कि व्यावसायिक रूप से मार्केटिंग किए जाने वाले अनेक उपभोक्ता उत्पाद- मुख्य रूप से आकर्षक रूप से पैक किए गए 'स्पोर्ट्स' और 'एनर्जी' ड्रिंक - सुपरस्टार्स द्वारा प्रचारित किए गए हैं। इनमें से कई उत्पादों को 'ओआरएस के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इनमें न केवल चीनी की मात्रा बहुत अधिक होती है बल्कि कई में कैफीन भी होता है, जो निर्जलीकरण को कम करने में कोई मदद नहीं करता। कभी-कभी तो इनमें विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की 13.5 ग्राम प्रति लीटर चीनी की सिफारिश से 10 गुना तक अधिक मात्रा होती है। ये अतिरिक्त चीजें विशेष रूप से बच्चों के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

इसके अतिरिक्त, ऐसे देश में जहां मधुमेह के मामले चिंताजनक रूप से ऊंचे स्तर पर हैं, यहां तक कि युवाओं में भी, उच्च चीनी वाले वाणिज्यिक उत्पाद जो ओआरएस के संदिग्ध लाभों का दावा करते हैं, विशेष रूप से हानिकारक हो सकते हैं। हालांकि एफएसएसएआई के परामर्श में दंड का उल्लेख नहीं है, लेकिन इसके निर्देशों का पालन न करने पर खाद्य संरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत दंड या जुर्माना लग सकता है। इसलिए इन नए लेबलिंग कानूनों की सफलता निगरानी और व्यापक शिक्षा अभियानों पर निर्भर करेगी ताकि उपभोक्ताओं को औषधीय रूप से तैयार ओआरएस उत्पादों और व्यावसायिक रूप से उपलब्ध उत्पादों के बीच के अंतर के बारे में पर्याप्त रूप से जागरूक किया जा सके। व्यावसायिक खाद्य उद्योग के पास मौजूद धनबल को देखते हुए यह और भी महत्त्वपूर्ण है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि विनिर्माताओं ने प्रतिबंध के अचानक लागू होने की शिकायत करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। न्यायालय ने लगभग 180 करोड़ रुपये मूल्य के मौजूदा स्टॉक को बेचने की अनुमति देकर अस्थायी राहत दी है। इस सलाह से अन्य मानक-निर्धारण और प्रवर्तन एजेंसियों को लेबलिंग कानूनों में कठोरता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित होना चाहिए। नाश्ते के अनाज और स्नैक बार, पैकेज्ड फलों के रस और स्मूदी, या विटामिन-युक्त पानी में अक्सर चीनी, परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट, ट्रांस-वसा और नमक की मात्रा अधिक होती है और उनमें पोषण मूल्य न्यूनतम होता है।

कम करना होगा प्लास्टिक का उपयोग

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अमित बैजनाथ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

2019 तक दुनिया में 460 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न हो रहा था। वहीं भारत में प्रतिवर्ष लगभग 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। प्लास्टिक कचरे का बड़ा हिस्सा लैंडफिल में चला जाता है या पर्यावरण में मिल जाता है। पिछले दो दशकों में वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन भी दोगुना हो गया है।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर के गार्बेज कैफे का जिक्र किया। वर्ष 2019 में खोला गया यह देश का पहला गार्बेज कैफे था। अंबिकापुर नगर निगम ने प्लास्टिक वेस्ट के दुष्प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से यह अनोखी पहल की थी। इस कैफे की खासियत यह है कि यहां प्लास्टिक कचरे के बदले भरपेट खाना और नाश्ता मिलता है। एक किलो प्लास्टिक देने पर पूरा खाना और आधा किलो प्लास्टिक देने पर नाश्ता दिया जाता है। अंबिकापुर ने गार्बेज कैफे जैसे नवाचार के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में एक मिसाल कायम की है। इस पहल से शहर में प्लास्टिक वेस्ट की मात्रा वर्ष दर वर्ष घटती जा रही है। प्रधानमंत्री की गार्बेज पर चर्चा के बाद एक बार फिर प्लास्टिक कचरा बातचीत का केंद्र बन गया है।

प्लास्टिक कचरा औद्योगिक और उपभोक्ता प्रक्रियाओं से उत्पन्न होने वाला अपशिष्ट है। यह वैश्विक समस्या है, क्योंकि प्लास्टिक विघटित नहीं होता और समुद्री जीवन, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। प्लास्टिक कचरा कम करने के लिए उपयोग को कम करने, पुनः उपयोग करने और रीसाइक्लिंग करने जैसे विभिन्न उपायों की आवश्यकता है। प्लास्टिक प्रदूषण महासागरों, नदियों और झीलों को प्रदूषित करता है, जिससे जलीय जीवन को नुकसान पहुंचता है। यह लंबे समय तक पर्यावरण में बना रहता है। प्लास्टिक से निकलने वाले माइक्रोप्लास्टिक्स (सूक्ष्म कण) मानव रक्त, फेफड़ों और अन्य अंगों में पाए गए हैं। प्लास्टिक में पाए जाने वाले रसायन हार्मोन असंतुलन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। प्लास्टिक उत्पादन से वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है, जो जलवायु परिवर्तन में योगदान देता है।

पिछले 70 वर्षों में प्लास्टिक उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है। 1950 में दुनिया भर में इसका उत्पादन केवल दो मिलियन टन था। अब यह 450 मिलियन टन से ज्यादा उत्पादन करता है। पहला सिंथेटिक प्लास्टिक बेकेलाइट 1907 में उत्पादित किया गया था, जिसने वैश्विक प्लास्टिक उद्योग की शुरुआत को चिह्नित किया। हालांकि वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन में तेज वृद्धि 1950 के दशक तक नहीं हुई थी। अगले 70 वर्षों में प्लास्टिक का वार्षिक उत्पादन लगभग

230 गुना बढ़कर 2019 में 460 मिलियन टन हो गया है। यहां तक कि पिछले दो दशकों में ही वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन दोगुना हो गया है। वहीं एक अध्ययन के अनुसार, भारत दुनिया में सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक है, जो प्रतिवर्ष लगभग 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक प्रदूषण में योगदान देता है। इस कचरे का एक बड़ा हिस्सा लैंडफिल में चला जाता है या पर्यावरण में मिल जाता है।

प्लास्टिक सस्ता, बहुमुखी और रोगाणुरहित पदार्थ है, जिसका उपयोग विभिन्न तरीकों में किया जाता है। इनमें निर्माण, घरेलू उपकरण, चिकित्सा उपकरण और खाद्य पैकेजिंग शामिल हैं। हालांकि जब प्लास्टिक कचरे का गलत प्रबंधन किया जाता है यानी कि इसे रीसाइकल नहीं किया जाता, जलाया नहीं जाता या सीलबंद लैंडफिल में नहीं रखा जाता, तो यह पर्यावरण प्रदूषक बन जाता है। हर साल एक से दो मिलियन टन प्लास्टिक हमारे महासागरों में प्रवेश करता है, जिससे वन्यजीव और पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होते हैं। इसलिए दुनिया भर में प्लास्टिक कचरे के प्रबंधन में सुधार करना विशेष रूप से गरीब देशों में, जहां से अधिकांश प्लास्टिक समुद्री देशों से आता है, इस समस्या से निपटने के लिए महत्वपूर्ण है। इसके लिए विशेष जागरुकता अभियानों की दरकार है, जिससे सभी देशों और लोगों को जुड़ना होगा। प्लास्टिक पूरी धरती पर पाया जाता है और अनुमान है कि 2040 तक प्लास्टिक कचरे की मात्रा तीन गुना हो जाएगी। दुनिया के सबसे दुर्गम स्थानों तक प्लास्टिक कैसे पहुंचता है, यह दर्शाने वाली जानकारी अभी भी विकसित हो रही है। 2020 के एक अध्ययन से पता चला है कि बड़े प्लास्टिक के टुकड़े तब तक टूटते हैं, जब तक वे बेहद छोटे नहीं हो जाते और फिर मिट्टी और हवा के माध्यम से लंबी दूरी तक पहुंच जाते हैं। ये कण ईरान के रेगिस्तान, अंटार्कटिका में गिरने वाली बर्फ और माउंट एवरेस्ट की चोटी जैसी जगहों पर भी पाए गए हैं। पिछले 20 सालों में प्लास्टिक जीवित प्राणियों के अंदर भी दिखाई दिया है। वैज्ञानिकों ने मछलियों, पक्षियों और समुद्री कछुओं के शरीर में यहां तक कि मानव रक्त और प्लेसेंटा में भी प्लास्टिक के सूक्ष्म कण पाए हैं, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। इस साल वैज्ञानिकों ने पहली बार जीवित लोगों के फेफड़ों की गहराई में माइक्रोप्लास्टिक की पहचान की। इस बात के भी संकेत मिले हैं कि प्लास्टिक के कणों और उनसे जुड़े रसायनों को सांस के जरिए अंदर लेने से फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है। वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने का क्या असर हो सकता है। पिछले कुछ दशकों के अध्ययनों से यह पता चला है कि कैंसर और पुरानी फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित मरीजों के फेफड़ों के नमूनों में प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। प्लास्टिक के रेशों के संपर्क में आने वाले कर्मचारियों को फेफड़ों की समस्याएं हो सकती हैं। उनकी फेफड़ों की क्षमता कम हो सकती है, जो शायद सूजन से होने वाले नुकसान के कारण हो सकता है। इन प्लास्टिक को बनाने वाले रसायन ज़्यादा मात्रा में मनुष्यों के लिए जहरीले होते हैं। वैज्ञानिक अभी भी यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने का स्वास्थ्य पर क्या असर हो सकता है। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें लंबा समय लग सकता है।

लोगों को जोखिम से बचने और उपभोग को कम करने के लिए व्यावहारिक कदम उठाने से पहले नीतिगत परिवर्तनों को प्रभावित करने वाले फेफड़ों के स्वास्थ्य को नुकसान के सबूतों का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं है। सभी प्लास्टिक कणों से बचना व्यावहारिक नहीं है। शोध जारी रहने के बावजूद विशेषज्ञों का सुझाव है कि जिन लोगों को प्लास्टिक के संपर्क में आने का ज्यादा खतरा है, जैसे कि निर्माण श्रमिक या ऐसे कारखानों में काम करने वाले लोग जहां प्लास्टिक बनता या इस्तेमाल होता है, उन्हें एक अच्छा मास्क पहनना चाहिए। काम के बाद कपड़े धोने चाहिए और आमतौर पर उन जगहों से बचना चाहिए, जहां धूल दिखाई देती हो। लोग किराने के सामान के लिए कागज या कपड़े के थैलों का इस्तेमाल करके और सिंगल यूज प्लास्टिक स्ट्रॉ, कप और खाने के दूसरे कंटेनरों से बचकर इसका इस्तेमाल कम कर सकते हैं।

वृद्धावस्था : दीर्घायु को शक्ति में बदलना

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नीतिन कुमार
अनुसंधान सहायक
@jagrukjanta.net

भारत आज जनसांख्यिकीय परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है। हालाँकि देश अपेक्षाकृत युवा है, जिसकी औसत आयु मात्र 28 वर्ष है, फिर भी बुज़ुर्ग नागरिकों की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है। 2031 तक, लगभग 19.4 करोड़ लोग 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के होंगे, और 2050 तक, हर पाँच में से एक भारतीय बुज़ुर्ग होगा। यह जनसांख्यिकीय परिवर्तन, घटती जन्म दर, प्रसवकालीन और शिशु मृत्यु दर में कमी, बेहतर पोषण, संक्रमक रोगों की प्रभावी रोकथाम और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण हो रहा है। यह बदलाव कुछ ज़रूरी सवाल खड़े करता है: क्या बुढ़ापे को एक बोझ के रूप में देखा जाएगा, या क्या भारत सम्मानजनक बुढ़ापे के लिए परिस्थितियाँ विकसित कर सकता है, जहाँ लोग सम्मान, सुरक्षा और सक्रिय भागीदारी के साथ लंबा जीवन जी सकें? वृद्धावस्था को अक्सर गिरावट के संदर्भ में देखा जाता है, जो निर्भरता अनुपात, बढ़ती स्वास्थ्य देखभाल लागत और घटती उत्पादकता जैसी चिंताओं में परिलक्षित होती है। फिर भी, लंबा जीवन मानव प्रगति का प्रमाण है। 1947 में, भारत में जीवन प्रत्याशा केवल 32 वर्ष थी; आज यह दोगुनी से भी अधिक बढ़कर लगभग 70 वर्ष हो गई है। जीवन के इन अतिरिक्त दशकों को बोझ के रूप में नहीं, बल्कि परिवारों, समुदायों और भारत के विकास में वृद्धों की भूमिका को नए सिरे से परिभाषित करने के अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। वृद्ध भारतीय पहले से ही ऐसे तरीकों से योगदान दे रहे हैं जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। भारत में दीर्घकालिक वृद्धावस्था अध्ययन (LASI) के आँकड़े दर्शाते हैं कि 36% वरिष्ठ नागरिक मुख्यतः खेती, कारीगरी, छोटे व्यापार और देखभाल जैसी आर्थिक गतिविधियों में संलग्न रहते हैं। शहरी परिवारों में, दादा-दादी बच्चों की देखभाल में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान करते हैं, जिससे युवा माता-पिता काम कर पाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, वृद्धजन कृषि पद्धतियों, स्थानीय परंपराओं और सामाजिक मध्यस्थता के संरक्षक बने रहते हैं। उनका संचित ज्ञान और अनुभव सामाजिक पूँजी का एक भंडार बनता है जो पीढ़ियों के बीच के बंधनों को मज़बूत करता है। भारत की अपनी सांस्कृतिक परंपराएँ इन वैश्विक प्रतिबद्धताओं के अनुरूप हैं। बुज़ुर्गों का सम्मान लंबे समय से भारतीय सामाजिक जीवन का आधार रहा है। फिर भी, आधुनिकीकरण, प्रवासन, आर्थिक विकास के साथ बदलते सामाजिक मूल्यों और दृष्टिकोणों और एकल परिवारों के उदय के दबाव ने इन बंधनों को कमज़ोर कर दिया है। 2022 में हेल्पएज इंडिया के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग आधे बुज़ुर्गों ने उपेक्षा या दुर्व्यवहार की बात कही, अक्सर अपने ही परिवारों में। एलएएसआई के आँकड़े आगे बताते हैं कि केवल 19.7% बुज़ुर्ग पुरुषों और 16.9% बुज़ुर्ग महिलाओं के पास स्वास्थ्य बीमा है, जिससे कई लोग आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं।

बुढ़ापा ताकत है, कमजोरी नहीं

सुंदर वृद्धावस्था का अर्थ केवल जीवन में वर्षों को जोड़ना नहीं है, बल्कि वर्षों में जीवन को जोड़ना है। इसका अर्थ है यह सुनिश्चित करना कि वृद्ध व्यक्ति स्वस्थ, आर्थिक रूप से सुरक्षित, सामाजिक रूप से सक्रिय और समाज के सम्मानित सदस्य बने रहें। विश्व स्तर पर, वृद्धावस्था को एक अवसर के रूप में मान्यता दी गई है। वियना अंतर्राष्ट्रीय कार्य योजना (1982) ने सरकारों से वृद्ध व्यक्तियों को राष्ट्रीय विकास रणनीतियों में शामिल करने का आग्रह किया। दो दशक बाद, मैड्रिड अंतर्राष्ट्रीय कार्य योजना (2002) ने "सभी आयु वर्गों के लिए समाज" के निर्माण का आह्वान किया, जिसमें वृद्धों की भागीदारी, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर ज़ोर दिया गया। ये प्राथमिकताएँ सतत विकास लक्ष्यों (SDG) के अनुरूप हैं, जो स्वस्थ वृद्धावस्था को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (SDG 3), गरीबी उन्मूलन (SDG 1), लैंगिक समानता (SDG 5), और असमानताओं को कम करने (SDG 10) के केंद्र में रखते हैं। ये ढाँचे मार्गदर्शन और तात्कालिकता दोनों प्रदान करते हैं।

स्वस्थ और सम्मानजनक वृद्धावस्था के लिए परिस्थितियाँ बनाना

वृद्धावस्था को सुंदर बनाने के लिए भारत को तीन परस्पर संबद्ध स्तंभों को मजबूत करना होगा: स्वास्थ्य सेवा, आर्थिक सुरक्षा और सशक्तिकरण। स्वास्थ्य ही आधार है। LASI के आँकड़े बताते हैं कि भारत के 70% से ज़्यादा बुज़ुर्ग हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह या गठिया जैसी कम से कम एक पुरानी बीमारी से ग्रस्त हैं। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ भी गंभीर हैं, जहाँ पाँच में से एक से ज़्यादा में अवसाद के लक्षण दिखाई देते हैं। वृद्धजनों के स्वास्थ्य देखभाल के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत कुछ वृद्धावस्था वार्ड और आउटरीच सेवाएँ स्थापित की गईं, लेकिन दायरा अधूरा है, खासकर ग्रामीण इलाकों में। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को वृद्धावस्था सेवाओं से मज़बूत बनाना, निवारक देखभाल का विस्तार करना और मानसिक स्वास्थ्य सहायता में निवेश महत्वपूर्ण कदम हैं। टेलीमेडिसिन और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयाँ भी कम सुविधा वाले क्षेत्रों तक सेवाएँ पहुँचा सकती हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवा अधिक समावेशी बन सकती है।

लेखक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में , अनुसंधान सहायक हैं। ये अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान, मुंबई के पूर्व छात्र हैं। *(ये उनके अपने विचार है)*

आखर आखर झरे उजियार

रोशनी की बड़ी लकीर खींचेंगे

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

एक नगर सेठ वयोवृद्ध हो गए। उनके तीन पुत्र थे। वो भी बड़े हो गए थे। उनके मन में खयाल आया कि मकान आदि की विरासत भले ही तीनों में बंट जाय लेकिन कारोबार की जिम्मेदारी तो किसी एक काबिल बेटे को सुपुर्द करना बेहतर होगा।

उन्होंने तीनों पुत्रों को बुलाया और कहा कि अपने नए भवन में तीन कमरे हैं। तुम तीनों को एक एक कमरे की जिम्मेवारी दी जा रही है। प्रत्येक को पांच पांच सौ रुपये देता हूँ। हर लड़के की जिम्मेदारी है कि अपने कमरे को एक सप्ताह के अंदर अंदर पूरा भर दे। जो कामयाब रहेगा उसे संपूर्ण कारोबार दे दिया जाएगा।

बड़े लड़के ने सोचा, दिए पांच सौ रुपये है। क्या आता है, मात्र पांच सौ में। काफी दिमाग लगाया, उसे कुछ समझ में नहीं आया। वह असमंजस का शिकार रहा।

मझले बेटे ने सोचा पांच सौ में तो कमरे को कचरे से भरा जा सकता है। उसने कचरों के ढेर से एक ट्रॉली कचरा मँगवा

कर अपना कमरा भरवा दिया और कमरे के ताला जड़ दिया। तीसरे बेटे ने भी कुछ इंतज़ाम कर दिया और कमरे के ताला लगा दिया। सप्ताह बीत गया। सेठ ने तीनों को बुलाया। बड़े से पूछा, तुमने क्या किया भैया!

उसने अपनी असमर्थता बतला दी। महंगाई का ज़माना है। पांच सौ में आजकल कुछ नहीं आता। लो, आप ये राशि सम्भालो। दूसरे ने अपने कमरे का ताला खोल कर बताया कि पांच सौ में तो कमरे को कचरे से भरा जा सकता था। इस राशि में और कुछ आता नहीं। इसलिए कचरे से कमरा भरवा दिया है। कमरे में गन्दगी और बदबू फैली हुई थी।

तीसरे बेटे से पूछा तुमने क्या किया? बताओ।

उसने अपना कमरा खोल दिया। कमरे में देखा, चारों दीवारों पर करीने से कांच सजा दिए थे। दीवारों के सामने निश्चित दूरी पर दीये जला दिए थे। कमरा रोशनी से जगमगा रहा था। अगरबत्तियों की सुगंध से सुवासित हो रहा था। पांच सौ में इतना सुन्दर प्रबंध देख कर सेठ बहुत खुश हुआ। उसने कारोबार की जिम्मेवारी इस छोटे पुत्र को दे दी। उसे भरोसा हो गया कि यह पुत्र मेरे धन का सही निवेश करेगा।

ये बात हम सब के लिए एक संकेत है। हमारे पास समय सीमित है और साधन भी सीमित है। हमारे पास उपलब्ध संसाधनों का कैसे सुन्दर निवेश किया जाय कि जीवन प्रकाश से जगमगा उठे, अपने सद्भाव और गुणों की खुशबु से महक उठे।ये तो निश्चित है कि जीतेंगे तो उजाले ही।

दीपावली उजालों का त्योहार है, अंधेरे पर रोशनी की जीत का पर्व है। इस दिन राम अयोध्या लौटे, शहर में असंख्य दीयों की रोशनी की गई। अपने मन की अवधपुरी में भी राम आयेंगे। इसलिए मकान के साथ ही मन के कोने कोने को साफ़ कर लिया जाय ताकि अंतस के सिंहासन पर रामत्व प्रतिष्ठित हो सके।

बरसों पहले इन पन्क्तियों के लेखक ने एक मुक्तक लिखा था,जिसे प्रस्तुत करना उचित लग रहा है..

विकास वल्लरी को हम सीचेंगे,
हृदय का उल्लास भी उलीचेंगे,
किसी लकीर से तुलना क्यों करें,
हम रोशनी की बड़ी लकीर खींचेंगे।

ओपिनियन

इतनी भागदौड़ का कारण क्या-शौक बाहर का या शोक अंदर का?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ.अभिलाष मोदी
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

जिंदगी में कई बार ऐसे क्षण आते हैं जब हम अनजाने में दूसरों के लिए एक गलत मिसाल कायम कर रहे होते हैं। हमें लगता है कि हम बस अपनी पसंद या सुविधा के अनुसार जी रहे हैं, लेकिन धीरे-धीरे हम समाज को और अधिक बाहरी शोरगुल, अंदर की चिल्लाहट, दुःख और मजबूरी से भरी जगह बना रहे होते हैं। यह बदलाव इतना महीन होता है कि अधूरी समझ और नज़र से देखने पर सब कुछ ठीक-ठाक और सामान्य दिखाई देता है, पर जब सही समझ से देखा जाए, तो महसूस होता है कि कहीं न कहीं हम जीवन की सही दिशा खो चुके हैं।

आजकल पारिवारिक बातचीत में अक्सर यह वाक्य सुनने को मिलते हैं - "हमारे बेटे को तो इस चीज़ या उस चीज़ का बहुत शौक है..." या "हमारी बहू को तो शॉपिंग करने का बहुत शौक हैज" या "मुझे घूमने-फिरने का बहुत शौक हैज"। यह सब सुनने में सामान्य लगता है क्योंकि हम इस बात के गहरे विश्वास में होते हैं कि हर व्यक्ति के अपने-अपने शौक होते हैं। किसी को यात्रा का शौक होता है, किसी को कपड़ों या गैजेट्स का, किसी को खान-पान या सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने का, किसी को फोटो खींचने का।

ध्यान से देखा जाए तो पिछले कुछ सालों में इन 'शौकों' की तीव्रता और संख्या बढ़ती चली गई है। अब यह सिर्फ़ 'रुचि' या

'मन बहलाव' नहीं रह गए, बल्कि एक अनिवार्यता जैसे बन गए हैं - जिसे अगर आपने नहीं किया तो शायद आप ज़िंदगी के किसी उद्देश्य से कहीं भटक जाएंगे।

लोग दिन-रात अपने शौक पूरे करने में लगे हैं - कोई नई जगह घूमने जा रहा है, कोई हर हफ्ते ऑनलाइन शॉपिंग कर रहा है, कोई हर पल नई सोशल मीडिया पोस्ट डालने की कोशिश में है। बाहरी दृष्टि से देखें तो सब कुछ सामान्य, रंगीन और आधुनिक दिखता है। लेकिन यदि थोड़ी गहराई में जाएं तो प्रश्न उठता है - जब अधिकांश लोग अपने शौक पूरे कर पा रहे हैं, तो फिर आज का इंसान पहले से ज़्यादा परेशान, उदास, अनिद्राग्रस्त और मानसिक रूप से असंतुलित क्यों हो गया है? परिवारों में पहले से ज़्यादा कलह, गुस्सा, चिड़चिड़ापन और असंतोष क्यों है? असल में, समस्या 'शौक' में नहीं है। समस्या तब शुरू होती है जब ये शौक हमारे अंदर के शोक को छिपाने का माध्यम बन जाते हैं। जब हम भीतर के खालीपन या दुख को महसूस नहीं करना चाहते, तो हम अपने आप को व्यस्त रखने के लिए किसी शौक का सहारा लेते हैं। कोई खरीदारी में डूब जाता है, कोई यात्राओं में, कोई सोशल मीडिया पर 'लाइक्स' के पीछे । यह सब एक तरह से उस गहरे दुख या असंतोष से भागने की कोशिश होती है जो हमारे भीतर पल रहा होता है।

ज़रूरत इस बात की है कि हम यह समझें कि हमारे शौक हमें समृद्ध बना रहे हैं या केवल व्यस्त रख रहे हैं। क्या ये हमें भीतर से संतुलन दे रहे हैं या सिर्फ़ कुछ क्षणों की खोखली उत्सुकता? जब हम अपने भीतर की स्थिति को स्वीकारना शुरू करेंगे - जब हम अपने दुःख, अपने खालीपन को देखना और समझना शुरू करेंगे - तभी हमारे शौक भी सार्थक बनेंगे।

शोक के कारणों को अगर ध्यान से देखें, तो दिखता हैं की कई लोग सोचते हैं, परिवार के लिए इतना करने के बावजूद मुझे वह निरंतर सम्मान क्यों नहीं मिलता, मैं इतना जल्दी बुरा क्यों मान जाता हूँ, मुझसे कोई ऐसा व्यवहार क्यों हो जाता है जो मुझे खुद को कुछ समय बाद ठीक नहीं लगता, इतना कमाने पर भी इतना डर क्यों है, कहीं लोग मेरा फायदा तो नहीं उठा लेंगे? यह सारा शोक इतने गहराई में बैठा होता है कि हमें लगता है कि इसका तो कुछ होना नहीं - "खाओ, पियो, घूमो, मस्त रहो।" पर यहां ठहरकर देखना जरूरी है कि कहीं ये 'मिनी सुसाइड' तो नहीं, जहाँ हम खुद की ही ज़िंदगी से भागकर कुछ समय के लिए कहीं जा रहे हैं।

किसी विचारक ने बहुत सुंदर कहा था - "हम अय्याशी इसलिए नहीं करते कि हमें इससे प्रेम है, बल्कि इसलिए करते हैं क्योंकि हम भीतर से गहरे दुखी हैं। हम अपने दुख को देखना नहीं चाहते, इसलिए उसे ढकने के लिए बाहर की चकाचौंध रचते हैं।" यही बात आज के जीवन पर सटीक बैठती है। ठीक से, ठहराव के साथ देखा जाए तो हम बाहर जितना ज़्यादा 'व्यस्त' दिखते हैं, भीतर से उतने ही 'विचलित' होते जाते हैं। ज़रूरत इस बात की है कि हम यह समझें कि हमारे शौक हमें समृद्ध बना रहे हैं या केवल व्यस्त रख रहे हैं। क्या ये हमें भीतर से संतुलन दे रहे हैं या सिर्फ़ कुछ क्षणों की खोखली उत्सुकता? जब हम अपने भीतर की स्थिति को स्वीकारना शुरू करेंगे - जब हम अपने दुख, अपने खालीपन को देखना और समझना शुरू करेंगे - तभी हमारे शौक भी सार्थक बनेंगे।

जीवन का सौंदर्य तभी बढ़ेगा जब हम समझेंगे कि शौक तभी अर्थपूर्ण हैं जब वे हमें भीतर से हल्का, शांत और संतुष्ट बनाएं। वरना वही शौक धीरे-धीरे शोक का कारण बन जाते हैं। इसलिए ज़रूरत है थोड़ी रुकने की, सोचने की, और भीतर झाँकने की, ताकि हमारी चमक बाहर से नहीं, भीतर से आए। तो आइए, एक पल ठहरकर यह देखने की कोशिश करें - कहीं हम अंदर के शोक को छुपाने के लिए तो नित-नए शौक नहीं पाल रहे? जो हमें बाहर से मजबूत दिखाते हैं, पर अंदर से धीरे-धीरे खोखला कर रहे हैं। एक बेहतर, गहराई से जीने लायक ज़िंदगी आपका इंतज़ार कर रही है।

बस ज़रूरत है - यह समझने की कि हमें बाहर के शौक सँवारने हैं या भीतर के शोक को समझने की कोशिश करनी है। यही समझ, जीवन को सच में सुंदर और संतुलित बना सकती है।

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 29/10/2025

सूर्योदय : 06:38 **सूर्यास्त** : 17:42 **चन्द्रोदय** : 13:06 **चन्द्रास्त** : 23:50 **शक सम्वत** : 1947 विश्वावसु **विक्रम सम्वत** : 2082 कालयुक्त **अमान्ता महीना** : कार्तिक **पूर्णिमांत** : कार्तिक **सूर्य राशि** : तुला **चन्द्र राशि** : मकर **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : सप्तमी, 09:21 तक **वार** : बुधवार **कलियुग** : 5126

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : उत्तराषाढ़ा, 17:16 तक
योग : धृति, 07:47 तक
प्रथम करण : वणिजा, 09:21 तक
द्वितिय करण : विष्टि, 21:45 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:48 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:14 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	01:56 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:38 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	05:38 पी एम से
अमृत काल	10:38 ए एम से
निशिता मुहूर्त	11:39 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : शुक्र
कुंभ चक्रः दक्षिण

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:37 - 08:00	उद्वेग : 17:41 - 19:18
अमृत	: 08:00 - 09:23	शुभ : 19:18 - 20:55
काल काल वेला	: 09:23 - 10:46	अमृत : 20:55 - 22:32
शुभ	: 10:46 - 12:09	चर : 22:32 - 00:09
रोग वार वेला	: 12:09 - 13:32	रोग : 00:09 - 01:47
उद्वेग	: 13:32 - 14:55	काल : 01:47 - 03:24
चर	: 14:55 - 16:18	लाभ : 03:24 - 05:01
लाभ	: 16:18 - 17:41	उद्वेग : 05:01 - 06:38

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज सप्तमी

आज कौन सा कार्य करें

राज संबंधी कार्य (सरकारी कार्य), व्रतबंध, प्रतिष्ठा, विवाह, यात्रा, भूषणादि के लिए शुभ होते हैं। यात्रा, शिल्प, चूड़ा कर्म, अन्नप्राशन व गृह प्रवेश शुभ है। ऋण नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

कार्तिक, शुक्ल, सप्तमी, 2082 बुधवार, 29 अक्टूबर - 4 नवम्बर, 2025

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ङ,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

पीएम मोदी से मिले सीएम भजनलाल, अहम मुद्दों पर चर्चा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बीते दिनों एकदिवसीय दिल्ली दौरे पर रहे। सीएम भजनलाल ने पीएम आवास पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके अलावा सीएम भजनलाल का कई नेताओं ने मिलने का कार्यक्रम है। दिल्ली पहुंचते ही राजस्थान के सीएम भजनलाल सोमवार को पीएम आवास पहुंचे और पीएम मोदी से मुलाकात की। दिवाली के बाद सीएम भजनलाल की पीएम मोदी के साथ हुई पहली मुलाकात करीब 1 घंटे तक चली। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच प्रदेश में चल रही विकास योजनाओं की प्रगति और केंद्र सरकार की मदद से संचालित परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री आवास से सीएम भजनलाल जोधपुर हाउस पहुंचे।

राजस्थानी प्रवासी दिवस कार्यक्रम में आने का न्यौता

राजस्थान सरकार 10 दिसंबर को पहला राजस्थानी प्रवासी दिवस आयोजित करने जा रही है। सीएम ने इस दौरान पीएम मोदी को राजस्थानी प्रवासी दिवस कार्यक्रम में आने का निमंत्रण दिया।

मीटिंग के सियासी मायने

सीएमओ ने पीएम मोदी से सीएम भजनलाल शर्मा की मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया। हालांकि, प्रदेश के भाजपा सरकार बनने के बाद अब भी मंत्रिमंडल विस्तार नहीं हुआ है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे है कि दोनों ने नेताओं के बीच राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भी चर्चा हुई। यह भी माना जा रहा है कि भजनलाल सरकार को 15 दिसंबर को दो साल पूरे होने वाले हैं।

परिवहन विभाग की ओर से जैसलमेर हादसे के बाद की जा रही कार्रवाई पर विवाद

प्रदेश में 5 को प्राइवेट बसों की हड़ताल संभव, बैठक आज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में परिवहन व्यवस्था गड़बड़ाने की कगार पर है। निजी बस ऑपरेटर 5 नवंबर से चक्का जाम कर सकते है। मोटर ऑपरेटरों का कहना है कि परिवहन विभाग की ओर से जैसलमेर हादसे के बाद मनमाने तरीके से चालान और बसों को सीज करने की कार्रवाई की जा रही है, जिससे हालात असहनीय हो गए हैं। ऐसे में हड़ताल से प्रदेश के साथ-साथ दिल्ली, गुजरात, पंजाब और अन्य राज्यों में आने-जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। बस ऑपरेटरों ने बताया कि 29 अक्टूबर को राज्यभर के मोटर ऑपरेटरों की जनरल मीटिंग होगी। जिसमें हड़ताल या चक्काजाम को लेकर रणनीति तैयार की जाएगी।

20 हजार से अधिक निजी बसें रहेंगी बंद

मोटर ऑपरेटर यूनियनों के अनुसार यदि सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो प्रदेश की करीब 20 हजार से अधिक निजी बसें सड़कों से हट जाएंगी। जिसके बाद यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। राजस्थान बस आपरेटर एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्यनारायण साहू ने बताया कि परिवहन विभाग ने निजी बसों पर एकतरफा कार्रवाई की जा रही है।। जैसलमेर-जोधपुर हाईवे पर हुए बस अग्निकांड के बाद विभाग ने सुरक्षा के नाम पर निजी बसों की लगातार चेकिंग और सीजिंग अभियान चला रखा है। साहू ने कहा कि विभाग मनमाने तरीके से बसों को जब्त कर रहा है और बिना उचित कारण चालान काटे जा रहे हैं। अब तक 1000 से ज्यादा बसों के चालान हो चुके हैं और 200 से अधिक बसें सीज की जा चुकी हैं। इससे बस मालिकों को लाखों रुपए का नुकसान हो रहा है।

यात्रियों में डर, निजी बसों से दूरी

साहू ने कहा कि लगातार हो रही कार्रवाई का असर यात्रियों पर भी दिखने लगा है। कई यात्री अब निजी बसों में सफर करने से हिचक रहे हैं। हाल ही में चौमूं में गुजरात जा रही एक निजी बस को सीज कर दिया गया, जिससे यात्रियों को रातभर सड़क पर भटकना पड़ा। इस घटना के बाद यात्रियों में डर बैठ गया है कि कहीं रास्ते में उनकी बस भी रोक न ली जाए।

फिटनेस पास यही करते है, फिर भी कार्रवाई

मोटर ऑपरेटरों का कहना है कि यदि किसी बस में तकनीकी या बॉडी मेकिंग से जुड़ी कमी है, तो इसके लिए सिर्फ बस मालिक को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। फिटनेस जांच और परमिट जारी करने की जिम्मेदारी तो परिवहन विभाग की ही होती है। इसके बाद बसें सड़क पर दौड़ती है। ऐसे में परिवहन विभाग भी जिम्मेदार है। बस मोटर आपरेटरों ने कहा कि जैसलमेर हाईवे पर अग्निकांड के बाद तेजी से निजी बसों के खिलाफ कार्रवाई की जा रहीं है। माना की बॉडी मेकिंग में हम गलत भी होंगे तो उसके लिए परिवहन विभाग की ओर से प्रत्येक बस को चेक कर तीन महीने का समय दिया जाए।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई मजदूरों से भरी बस, 3 की मौत, 12 झुलसे, 5 जयपुर रेफर

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर जिले के मनोहरपुर इलाके में मंगलवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। ईंट भट्टे पर काम करने वाले मजदूरों से भरी एक निजी बस हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गई, जिससे बस में अचानक करंट दौड़ गया और आग लग गई। इस भयावह घटना में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 1 अन्य मजदूर की मौत इलाज के दौरान हो गई। इस हादसे में लगभग 12 अन्य मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे की गंभीरता को देखते हुए पांच घायलों को बेहतर इलाज के लिए जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया है। यह घटना मनोहरपुर थाना क्षेत्र के टोडी गांव के पास स्थित एक ईंट भट्टे की है। जानकारी के अनुसार, बस सुबह करीब 8 बजे मजदूरों को ईंट भट्टे से लेकर कहीं जा रही थी।

व्यंग्यकार प्रभात गोस्वामी को साहित्य भूषण सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। व्यंग्यकार प्रभात गोस्वामी को हिंदी अकादमी, मुंबई की ओर से व्यंग्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए साहित्य भूषण सम्मान अर्पित किया है। हिंदुस्तानी भाषा अकादमी ,दिल्ली के सभागार में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में देश के विभिन्न राज्यों के साहित्यकारों,शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष डॉ प्रमोद पाण्डेय ने बताया कि संस्था हिंदी भाषा के विश्व स्तर पर प्रचार - प्रसार के लिए देश - विदेश में कार्यक्रमों का आयोजन करती है। जहां हिंदी साहित्य की विभूतियों का सम्मान भी किया गया है। गोस्वामी विगत कई वर्षों से व्यंग्य लेखन कर रहे हैं। अब तक उनके छह व्यंग्य संग्रह,बारह साझा व्यंग्य संग्रहों का प्रकाशन हुआ है। इसके अलावा रेडियो प्रसारण पर उनकी पुस्तक - ध्वनि चित्रों का इंद्रधनुष भी प्रकाशित हो चुकी है। गोस्वामी के व्यंग्य देश के प्रमुख पत्र - पत्रिकाओं में नियमित रूप से प्रकाशित हो रहे हैं। बॉक्स एफएम पर उनका साप्ताहिक कार्यक्रम - व्यंग्य के रंग प्रभात के संग काफी लोकप्रिय रहा,जिसमें देश के सुपरिचित व्यंग्यकारों से साक्षात्कारों का प्रसारण हो चुका है। गोस्वामी को व्यंग्य लेखन के लिए अनेक पुरस्कार,सम्मान मिल चुके हैं।

नगर निगम ग्रेटर द्वारा आयोजित किये जा रहे हैं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के स्थायी शिविर

जयपुर @ जागरूक जनता। नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अन्तर्गत मुरलीपुरा जोन (मुरलीपुरा सब्जी मण्डी के पीछे), विधाधर नगर जोन (अम्बाबाडी सर्किल के पास), झोटवाड़ा जोन (खिरणी पुलिया के नीचे) जोन कार्यालय नगर निगम ग्रेटर मुख्यालय में दक्षिण द्वार की और स्थायी कैम्प आयोजित किया जा रहा है। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि कैम्प में स्ट्रीट वेण्डर्स व अल्प आयवर्ग के 18 से 60 वर्ष की आयु के व्यक्तियों को 90 हजार तक का ऋण बिना गारन्टी 7 प्रतिशत ब्याज की छूट के साथ बैंक माध्यम से ऋण दिलवाने की कार्यवाही हेतु आवेदन किये जा रहे हैं।

कराटे चैंपियनशिप में चैंपियंस दोजो के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। वर्ल्ड फूनाकोशी कराटे ऑर्गनाइजेशन की ओर से गत 26 अक्टूबर को गोवा ओपन इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप आयोजित की गई। कोच नितिन राणा एवं दिनेश कुमार के खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में कई झंडे गाड़े। खिलाड़ियों में सानवी, किंशुक स्वरूप भटनागर, अनाया, शिवांक, जसजीव, सुमित एवं ध्रुव ने गोल्ड और नवीन, मौलिक, सुमित ने सिल्वर मेडल और नादर, यक्षित, रयिरथ और प्रज्ञान ने ब्रॉन्ज मेडल अर्जित किए। कोच नितिन राणा ने खिलाड़ियों को बधाई के साथ निरंतर आगे बढ़ने का प्रोत्साहन दिया।

Its Me Pradhumn का नया धमाकेदार हरियाणवी सॉन्ग "4 bande" गीत रिकॉर्ड यूट्यूब चैनल पर रिलीज़

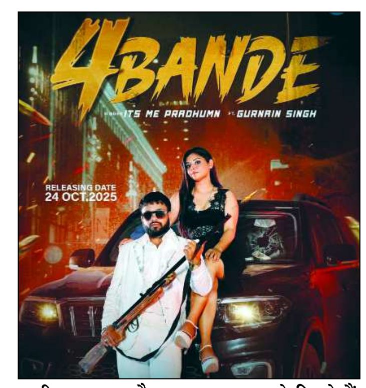

बारां @ जागरूक जनता। बारां के युवा और उभरते कलाकार प्रधुम्न शर्मा का नया हरियाणवी एक्शन सॉन्ग "4 बंदे" हाल ही में Geet Record यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ हुआ है। इस गाने में ज़बरदस्त बीट्स, दमदार पंचलाइन्स और जोश से भरपूर अंदाज़ देखने को मिलेगा। "4 बंदे" गाना यूथ के एटीट्यूड और देसी स्वैग को दर्शाता है, जिसे सुनते ही दर्शक झूम उठेंगे। इस गाने के बोल एलेक्स उपाध्याय ने अपनी कल्पना और रचनात्मकता से लिखे हैं, जिन्होंने गीत को एक नई ऊंचाई दी है। वहीं, हरियाणा की मशहूर सिंगर गुर्नैन ने अपनी सुरीली आवाज़ से इस गाने को और भी खूबसूरत बना दिया है। वीडियो में प्रधुम्न शर्मा के साथ रिमझिम कौर और हाड़ौती के प्रसिद्ध क्रिएटर कालू प्रधान , मुकेश सुमन की शानदार एक्टिंग देखने को मिलेगी। इस गाने का निर्देशन पवन मीणा रॉन ने किया है, जिन्होंने वीडियो को एक दिलचस्प कहानी और खूबसूरत विजुअल्स से सजाया है। शुभम जैन बताया गीत को हाड़ौती के कलाकारों ने हरियाणवी और देशी बनाया है और हाड़ौती की और भी पर्यटन से जुड़ी जगह है जहाँ से जुड़कर और हाड़ौती के कलाकर अपना एक नया मुकाम हासिल कर रहे जो कि खुशी की बात है।

हिन्दू संस्कृति अनुरूप मनाया अपना जन्मदिन

जयपुर @ जागरूक जनता। मुकेश नायक प्रॉपराइटर मोहिनी प्रिंटर बुढ़ानिया चौराहा मुरलीपुरा का 40वां जन्मदिन संत बाबा मेहरदास मन्दिर मे, जय हिन्द शुभकामना ग्रुप एवं मेहरदास ट्रस्ट ने हिंदू संस्कृति के अनुरूप दीप दान के साथ गायत्री मन्त्र से यज्ञ आहुतिया देने पश्चात, महामृत्युनंजय मन्त्र से स्वस्थ परिवार की कामना के साथ दीर्घायु आशीर्वादो, एवं भेटो (गिफ्ट्स) के साथ पुष्प वर्षा कर मिल्क केक वितरण कर मुँह मीठा कराया। कार्यक्रम के संयोजक लोकचंद हरिरामानी (मेहरदास मन्दिर ट्रस्ट अध्यक्ष) एवं लाल आर साधवानी (USA) मुख्य ट्रस्टी, ने बताया की हम ये कार्यक्रम आने वाली पीढ़ी मे हमारी संस्कृति की जानकारी एवं महत्व को बच्चों के माध्यम से जन जन तक पहुँचाना हमारा मुख्य उद्देश्य है, कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार शिवदयाल मिश्रा एवं पत्रकार नगेन्द्र वशिष्ठ, के साथ, परमानन्द त्रिलोकानी, कन्हैया लाल लखवानी, रमेश लालवानी,ओम वंजानी, गोपाल आलमचंदनी, मन्दिर पूजा प्रभारी देव, मधु (माता श्री) के साथ,माया, गणेश नरियानी ने अंगवस्त्र उढ़ा कर स्वस्थ दीर्घायु का आशीर्वाद दिया।

रक्तदान शिविर 9 नवम्बर को, विधायक डॉ. गोपाल शर्मा ने किया पोस्टर विमोचन

जयपुर @ जागरूक जनता। मानव समाज सेवा संस्थान राजस्थान द्वारा आयोजित रक्तदान एवम चिकित्सा शिविर के पोस्टर का विमोचन श्यामनगर स्थित एक कार्यक्रम में स्थानीय विधायक डॉ गोपाल शर्मा ने किया। संस्थान के अध्यक्ष डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर पार्षद पवन शर्मा, अरविंद सिंह, सीताराम शर्मा, इशिता बिंद्रा, सुभाष शर्मा सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। इस शिविर में दंड डायबिटीज एसोसिएशन, राज आँगन फाउंडेशन, ग्लोबल हेल्थ एंड वेलफेयर सोसायटी, स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक और इंडियन इंस्टीट्यूट आफ़ होम्योपैथिक फिजिशियंस का सहयोग रहेगा।

यूईएम जयपुर के मैनेजमेंट विभाग द्वारा स्मार्ट जागरूकता पर संगोष्ठी आयोजित

आधुनिक आर्थिक परिदृश्य में सीखा व्यक्तिगत वित्त, ज़िम्मेदार निवेश और जोखिम प्रबंधन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (UEM) के स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट के फिन डैज़लर्स फ़ाइनेंस क्लब ने एक दिवसीय "स्मार्ट जागरूकता के माध्यम से वित्तीय निर्णयों को सशक्त बनाना" शीर्षक से एक ज्ञानवर्धक संगोष्ठी का आयोजन किया। यह आयोजन राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI) के सहयोग से आयोजित राष्ट्रव्यापी निवेशक सप्ताह पहल का हिस्सा था। इस पहल का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता का प्रसार करना और विशेष रूप से छात्रों और शुरुआती स्तर के पेशेवरों के बीच, सूचित निवेश प्रथाओं को बढ़ावा देना है। यह संगोष्ठी उपस्थित लोगों को आधुनिक आर्थिक परिदृश्य में व्यक्तिगत वित्त, ज़िम्मेदार निवेश और जोखिम प्रबंधन के महत्व को समझने में मदद करने के लिए आयोजित की गई थी। ऐसे समय में जब वित्तीय घोटाले, आवेगी निर्णय और गलत सूचनाएँ गंभीर नुकसान का कारण बन सकती हैं, वित्तीय नियोजन और बाज़ार जागरूकता की मूल बातें सीखना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इस सत्र में दो कुशल वक्ता शामिल हुए। कराधान और आउटसोर्सिंग में छह वर्षों से अधिक के अनुभव वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट, सीए कनिष्क शर्मा ने बजट, बचत और कर दक्षता सहित वित्तीय नियोजन के मूल सिद्धांतों पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों को जल्दी वित्तीय योजना शुरू करने की आवश्यकता पर बल दिया और वित्तीय अनुशासन बनाने के लिए व्यावहारिक कदम साझा किए। वित्त, बैंकिंग और प्रतिभूति बाजारों में नौ साल से अधिक के अनुभव वाले कंपनी सचिव और एलएलबी पेशेवर पंकज तंवर ने दूसरा सत्र दिया। वर्तमान में एनएसई में जयपुर कॉमन इन्वेस्टर सेंटर के केंद्र प्रमुख के रूप में कार्यरत, उन्होंने निवेशक अधिकारों, सेबी जैसी नियामक संस्थाओं की भूमिका और वित्तीय धोखाधड़ी से बचने की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया। उनके द्वारा वास्तविक दुनिया के उदाहरणों के उपयोग ने सत्र को विश्वसनीय और आकर्षक बना दिया। सेमिनार में छात्रों और संकाय दोनों की सक्रिय भागीदारी रही। इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र में म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार की मूल बातें और सुरक्षित निवेश विकल्प जैसे कई विषयों को शामिल किया गया। वक्ताओं ने प्रत्येक प्रश्न को स्पष्टता और वास्तविक दुनिया के संदर्भ में संबोधित किया। यूईएम जयपुर के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पवन शर्मा के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगोष्ठी कार्यक्रम में मैनेजमेंट विभाग के प्रोफेसर हुए शामिल।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

स्वदेशी अपनाएं
आत्मनिर्भर राजस्थान बनाएं

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

माननीय प्रधानमंत्री **श्री नरेन्द्र मोदी जी** के **75 वें जन्मदिन** से प्रेरित जनसेवा अभियान

सेवा शिविरों से मिली आम जनता को बड़ी राहत

1.95 लाख + पट्टे वितरण	**1.17 लाख +** फार्मर रजिस्ट्री में नए पंजीयन	**1.53 लाख+** भू-राजस्व शुद्धिकरण प्रकरणों का निस्तारण
1.24 लाख + नामान्तरण प्रकरणों का निस्तारण	**2.60 लाख +** मंगला पशु बीमा योजना पॉलिसी	**1.72 लाख +** मूल निवास प्रमाण पत्र
2.04 लाख + जाति प्रमाण पत्र वितरण	**1.25 लाख +** जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीयन	**1.98 लाख+** सामाजिक सुरक्षा पेंशनर्स सत्यापन
95.8 हजार + खाद्य सुरक्षा पोर्टल पर आवेदनों की स्वीकृति	**25 हजार +** स्वनिधि योजनांतर्गत ऋण आवेदन	**1.48 लाख +** जनधन योजना में बैंक खाते खोले
1.13 लाख + जन आधार योजना में अद्यतन / संशोधन	**75.6 हजार +** वय वंदन कार्ड जारी	**17.06 लाख +** किशोरियों एवं गर्भवती महिलाओं की एनीमिया की जांच
10.77 लाख + नागरिकों की टी.बी. रोग स्क्रीनिंग	**24.36 लाख +** लोगों का स्वास्थ्य शिविर में उपचार	**1.42 लाख +** नई स्ट्रीट लाइट / सुधार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

कंचनधाम आन्योर : कुछ अलग तरह की दिखाई दी नवरात्रि पूजा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। शारदीय नवरात्री पूजा कंचन धाम के तीनों आश्रमों गोवर्धन दान घाटी स्थित रामानंद आश्रम, कंचन धाम आन्यौर और द्वादश ज्योतिर्लिंग खटखड़ (बूंदी) में तीन-चार सप्ताह पूर्व सानन्द सम्पन्न हो चुके हैं। हालांकि समय अभाव के कारण इस बार पूरे नवरात्रि तो कहीं कर नहीं पाए। मगर, सप्तमी को अचानक एक विचार बना और एक मित्र के साथ गोवर्धन स्थित आश्रम के लिए चल दिए। लगभग रात्रि के साढ़े ग्यारह बजे हम गोवर्धन पहुंच गए और रामानन्द आश्रम में विश्राम किया। प्रातः गोवर्धन की परिक्रमा कर के हम आन्यौर स्थित कंचनधाम आ गए। वहां नवरात्रि पूजन का संचालन कर रहे महाराजश्री के मुख्य सेवक से बातचीत हुई और हमें भी सपत्नी अष्टमी के नवरात्रि को आहुतियां देने एक हवन कुंड पर बैठा दिया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कानपुर से भी महाराजश्री कृष्णदास कंचन महाराज के शिष्य हवन कुंड में आहुतियां दे रहे थे। बहुत ही

सुन्दर तरीके से हवन चल रहा था, दुर्गा सप्तशती के मंत्रों से आहुतियां दी जा रही थी। चारों तरफ से स्वाहा स्वाहा की आवाज गुंजायमान हो रही थी। इसी बीच एक लड़की आंख बंद करके यज्ञशाला में घूमती नजर आई और वह कुछ बोल रही थी, जयपुर वालो, सुधर जाओ अब भी मौका है, वरना विनाश शुरू होगा। काफी देर तक ऐसा ही चलता रहा। इसी बीच कुछ बच्चियों के रोने की भी आवाज आई। पंडित जी अपने मंत्रों का उच्चारण करते रहे और श्रद्धालु स्वाहा के साथ आहुतियां देते रहे। यज्ञशाला में त्रिशूल लिए घूमती लड़की कुछेक भक्तों के सिर पर हाथ भी रख रही थी। परन्तु बार-बार जयपुर वालो सुधर जाओ का उच्चारण और त्रिशूल दिखाना जारी रहा। फिर मुख्य कुंड के पास जाकर उक्त लड़की द्वारा कुछ लोगों का नाम लेकर विनाश शुरू उच्चारण कर हवन कुंड में आहुतियां दी गई। इसके बाद सब कार्य विधिवत बहुत ही सुन्दर तरीके से सम्पन्न हुए। कन्या भोजन भी कराया गया। सबने प्रेम-प्यार से भोजन भी किया। लेकिन हमने महाराजश्री के साथ कई बार नवरात्रि पूजन किया, मगर ऐसा मारण-उच्चाटन तो कभी नहीं देखा और ना ही हमने सुना। इस दृश्य को देखकर हमें कौतूहल तो हुआ, मगर सोचा कि महाराजश्री का आश्रम है ऐसी बातों को लिखना उचित नहीं होगा। मगर फिर भी ऐसी पूजा देखकर सोचा, महाराजश्री कृष्णदास कंचन महाराज गोलोक से ये सब देख रहे होंगे मेरे शिष्य कैसी पूजा कर रहे हैं। दूसरी तरफ महाराज के प्रति श्रद्धा रखने वाले भक्तों तक यह बात पहुंचना चाहिए। अंत में मैं अपनी लेखनी द्वारा यह कहना चाहूंगा कि महाराजश्री जन कल्याण के लिए पाठ-पूजा, हवन इत्यादि करवाते थे। मगर इस तरह के मारण और उच्चाटन की आहुतियां जन कल्याण के लिए तो कदापि नहीं कही जा सकती है। कार्य ऐसे होने चाहिए जिनसे भक्तजन आश्रम से जुड़ें और महाराजश्री की यशकीर्ति बढ़े। क्योंकि इन आहुतियों के बाद आश्रम में आए कई भक्तजनों में आंतरिक भय देखा गया और वे इस बात को लेकर चर्चा करते रहे। ऐसे में किसी को कुछ हो गया तो, आरोप तो सीधे-सीधे इन्हीं पर लगेगा। उल्लेखनीय है कि कुछ वर्ष पूर्व खटकड़ आश्रम में भी महाराजश्री के एक सेवक ने हथेली पर जलता दीपक रखकर श्रद्धालुओं को कुछ निर्देश दिए थे।

-शिव दयाल मिश्रा

मेवाड़ महोत्सव समिति का चुनाव निर्विरोध सम्पन्न

अनंत समदानी अध्यक्ष, लीला आगाल सचिव नियुक्त

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। मेवाड़ महोत्सव की आमसभा महाराणा सेतु मार्ग स्थित श्रीनाथ गार्डन में भामाशाह रामगोपाल-सारिका जयसवाल के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पीयूष काबरा एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी ललित खण्डेलवाल की देखरेख में हुए निर्वाचन में सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न हुई। इस समूचे आयोजन में लगभग 170 सदस्यों ने सहभागिता दर्ज करवाई।

निर्वाचन अधिकारी पीयूष काबरा ने जानकारी देते हुए बताया कि मेवाड़ महोत्सव समिति में संरक्षक श्रवण सिंह राव, आशा पोखरना, अध्यक्ष अनंत समदानी, सचिव लीला आगाल, उपाध्यक्ष अभिषेक श्रीमाल एवं अनुराग द्विवेदी, कोषाध्यक्ष प्रदीप काबरा, सह-सचिव ज्योति तिवारी एवं प्रिया वासवानी, आयोजन सचिव भावना आगाल, कार्यक्रम संयोजक जया तोषनीवाल, सहसंयोजक रीना जागेटिया, संगठन मंत्री राधा काबरा तथा कार्यकारिणी सदस्य ओम सुखवाल, बंटी शर्मा, अभिषेक मूंदड़ा, प्रियंका आगाल और यश टेलर निर्वाचित हुए।

निर्वाचन के उपरांत अंजली गोस्वामी, सुनीता कोर सोनी, खुशबू सुखवाल, रेखा समदानी, अवनी शर्मा, वंदना कुमावत, रीतु सोमाणी, सपना समदानी, सीमा सुखवाल, रूचि श्रीमाल, पिंकी सोमाणी, अभिनंदन काबरा, भरत आगाल, विकास गंगवाल, सुरेन्द्रपालसिंह, अनुराग बांगड़, उमेश आगाल, तनिष्क मूंदड़ा, महेन्द्र सिंह राजावत, हिमांशु जाजु, हिमांशु बनवार, विभोर पुंगलिया, अर्पित छीपा, बादल शर्मा और आयुष माहेश्वरी सहित अन्य सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उपरना ओढ़ाकर सम्मानित किया।

डूंगरी बांध के खिलाफ ग्रामीण लामबंद, नेताओं के कार्यक्रमों का करेंगे सामूहिक बहिष्कार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

मलारना डूंगर। सवाई माधोपुर जिले के मलारना डूंगर को लेकर ग्रामीणों का विरोध बढ़ता जा रहा है। मलारना डूंगर क्षेत्र के भूखा गांव में डूंगरी बांध विरोध आंदोलन संघर्ष समिति की विशेष बैठक हुई। जिसमें प्रस्तावित बांध स्थल पर 26 जनवरी को तिरंगा फहराने का निर्णय लिया गया। साथ ही ग्रामीणों ने डूंगरी बांध परियोजना का समर्थन करने वाले नेताओं के कार्यक्रमों का सामूहिक बहिष्कार का फैसला लिया। शब्बीर लहरी शेषा की अध्यक्षता में बैठक डूंगरी बांध के खिलाफ एकजुट और सशक्त संघर्ष के संकल्प के साथ शुरू हुई। इस दौरान प्रभावित ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से 21 नवंबर को जोड़ली (सपोटरा) में निर्णायक महापंचायत करने का निर्णय किया।

चलाएंगे जागृति अभियान

आंदोलन से जुड़े एक व्यति ने बताया कि 9 नवंबर को महेशरा गांव के तेजाजी मंदिर पर बैठक होगी। इससे पूर्व 2 नवंबर से खिदरपुर जादौन और अन्य प्रभावित गांवों में जनजागृति एवं संगठन सुदृढ़ीकरण सभाएं की जाएंगी। 10 से 20 नवंबर तक जोड़ली महापंचायत के लिए जागृति अभियान चलाया जाएगा। ताकि 21 नवंबर को जोड़ली में भारी जनसमूह के साथ संगठन शक्ति का प्रदर्शन किया जा सके।

26 जनवरी को प्रस्तावित बांध स्थल पर फहराएंगे तिरंगा

26 जनवरी 2026 को प्रस्तावित संघर्ष समिति के लोग डूंगरी बांध स्थल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर संघर्ष और बलिदान का संकल्प लेंगे। आंदोलन को कानूनी और संगठित रूप देने के लिए नवंबर के प्रथम सप्ताह में सरकार को लीगल नोटिस भेजने और रणथंभौर रोड पर आंदोलन का स्थायी कार्यालय स्थापित करने का निर्णय किया।

राजनेताओं के कार्यक्रमों का करेंगे सामूहिक बहिष्कार

आंदोलन को प्रदेश स्तरीय रूप देने के लिए सोशल मीडिया और जनसंपर्क अभियान को मजबूत करेंगे एवं डूंगरी बांध परियोजना का समर्थन कर रहे राजनेताओं के कार्यक्रमों का सामूहिक बहिष्कार किया जाएगा। आंदोलन को और व्यापक रूप देने के लिए 16 नवंबर को दिवाडा और बूकना गांव में प्रचार सभाएं होंगी।

दौसा जिले को एक और एक्सप्रेस-वे की सौगात, इन 28 गांवों से होकर गुजरेगा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

दौसा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे और बांदीकुई-जयपुर एक्सप्रेस-वे के बाद राजस्थान के दौसा जिले को एक और एक्सप्रेस-वे की सौगात मिलने जा रही है। नया ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे ब्यावर से भरतपुर तक प्रस्तावित है। ब्यावर से भरतपुर तक 324 किमी लंबा यह एक्सप्रेस-वे जिले के लालसोट उपखंड के 28 गांवों से गुजरेगा। इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण से लालसोट क्षेत्र में रोड कनेक्टविटी और अधिक बेहतर होगी। नए ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण से लालसोट से भरतपुर होकर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड सहित उत्तरी भारत के साथ ब्यावर अजमेर होते हुए गुजरात तक आना जाना और अधिक सुगम हो जाएगा।

भूमि अधिग्रहण की तैयारी शुरू

सूत्रों के अनुसार उक्त ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के निर्माण से पूर्व प्रशासनिक स्तर पर भूमि अधिग्रहण की तैयारी शुरू हो चुकी है। जिला कलक्टर की ओर से उपखंड अधिकारी के अधीन कमेटी का गठन किया जा चुका है। इस कमेटी में राजस्व विभाग, वन विभाग, कृषि विभाग, जल संसाधन विभाग एवं सार्वजनिक निर्माण के अधिकारियों को शामिल किया गया। इस कमेटी की बैठक शीघ्र ही होगी, जिसके बाद रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

28 गांवों में नहीं कर सकेंगे ऐसा

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने उपखंड अधिकारी के साथ लालसोट और निर्झरना तहसीलदार को एक भी पत्र भेज कर बताया है कि प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे (ब्यावर-भरतपुर) परियोजना के निर्माण के अन्तर्गत आने वाले गांवों में भूमि उपयोग परिवर्तन (भूमि रूपान्तरण), बिक्री, खरीद या विकास गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाए। 28 गांवों में उक्त आदेशों की कठोरता से पालना करें।

व्यापार बढ़ेगा, रोजगार मिलेगा

एक्सप्रेस-वे बनने से लालसोट क्षेत्र का सीधा संपर्क भरतपुर और ब्यावर के औद्योगिक क्षेत्रों से होगा। इससे व्यापारिक गतिविधियां तेज होगी। सरसो के सीजन के दौरान लालसोट व मंडावरी कृषि उपज मंडियों से प्रतिदिन दर्जनों ट्रकों द्वारा सरसों भरतपुर की तेल फैक्ट्रियों को भेजा जाता है, उक्त एक्सप्रेस-वे के निर्माण के बाद काफी समय व भाड़ें की बचत होगी, जिससे व्यापार को गति भी मिलेगी। इसके अलावा निर्माण कार्य और इसके बाद बढ़ने वाले उद्योग-धंधों से युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। इसके अलावा अब तक ब्यावार व भरतपुर जाने के लिए जयपुर-अजमेर एवं जयपुर हाइवे से ही वाहनों को गुजरना पड़ता है, इसके निर्माण के बाद इन दोनो राजमार्गों पर यातायात का दबाव घटेगा, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी। किसानों को अपने कृषि उत्पादों को बड़े शहरों तक तेजी से पहुंचाने में सुविधा होगी। एक्सप्रेस-वे के आसपास के क्षेत्रों में भूमि कीमतों में बढ़ोतरी होगी और निवेश की संभावनाएं बढ़ेगी।

इन गांवों से गुजरेगा एक्सप्रेस-वे

ब्यावर-भरतपुर एक्सप्रेस-वे टोंक से दौसा जिले के लालसोट क्षेत्र में प्रवेश करेगा। एक्सप्रेस-वे का विजयपुरा, लोरवाड़ा, गूदड़िया, श्रीमा, गोविंदपुरा,करणपुरा चक 1 से चक 4, मोहब्बतपुरा, देवली, खेडली, प्रहलादपुरा, खटवा, मालावास, रामपुरा खुर्द, भामूवास, रामपुरा कलां, बिलौणा कलां, खेमावास, किशनपुरा, टोडा ठेकला, बिनोरी, शाहपुरा महाराजपुरा, थानपुरा, हमीरपुरा, डिवाचली कलां एवं डिवाचली खुर्द गांव की कुल 260.559 हैक्टेयर भूमि से गुजरना प्रस्तावित है।

लालसोट बनेगा हाईवे जंक्शन

ब्यावर-भरतपुर एक्सप्रेस-वे के निर्माण के बाद लालसोट उपखंड एक हाईवे जंक्शन के रूप में विकसित होगा। फिलहाल लालसोट उपखंड क्षेत्र से ब्यावर-दिल्ली-मुंबई एक्सप्रसे-वे, मनोहरपुर-कोथून नेशनल हाईवे, लालसोट धौलपुर नेशनल हाईवे एवं लालसोट-कोटा मेगा हाईवे गुजर रहे है। एक नए एक्सप्रेस-वे के निर्माण के बाद ये सभी राजमार्ग भी आपस में कनेक्ट हो जाएंगे, जिससे आने वाले समय में लालसोट से प्रदेश व देश के सभी बड़े शहरों के बीच सड़क संपर्क और अधिक बेहतर होगा।

अभी प्रक्रिया की होगी शुरूआत

एसडीएम विजेन्द्र कुमार मीना ने बताया कि प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे के निर्माण से प्रभावित गांवों के बारे में जानकारी आ गई है, जिनका सर्वे का कार्य अब शुरू होगा। अभी प्रक्रिया की शुरुआत होगी।

कर्मचारियों ने ली सतर्कता शपथ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसन्धान संस्थान अविकानगर में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली की ओर से प्राप्त आदेश के अनुसार सतर्कता जागरूकता सप्ताह संस्थान के विजिलेंस अधिकारी डॉ राजीव कुमार द्वारा सतर्कता की शपथ अविकानगर के सभी कर्मचारियों को दिलाई गई। संस्थान के निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर द्वारा संस्थान के सभी कर्मचारियों को देशहित मे नियम एवं क़ानून अनुसार ईमानदारी से कार्य करने की सलाह दी गई एवं संस्थान परिषद् की ओर से विजिलेंन्स जाँच नहीं होने पर सभी को इसी तरह स्वच्छ छवि भविष्य में बनाये रखने का निवेदन किया। इस वीक आयोजित विभिन्न कार्यक्रम में सभी की भागीदारी का निवेदन किया।

गुरु ब्राह्मण समाज रोई भीतरोट क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पिंडवाड़ा। समीपवर्ती नांदिया ऋषेश्वर महादेव मंदिर के समीप खेल मैदान में गुरु ब्राह्मण समाज क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन समारोह मुख्य अतिथि रामपुरा से पधारे ललित कुमार गर्ग विकास अधिकारी और पिंडवाड़ा अधिशाषी अधिकारी महेन्द्र राजपुरोहित भी पधारे जिनका माल्यार्पण व साफा पहनाकर स्वागत सत्कार किया प्रतियोगिता में गुरू ब्राह्मण समाज रोई भीतरोट की 10 टीमों ने भाग लिया।

समारोह में विजेता व उपविजेता टीम के खिलाडियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच झाडोली एवं नितोड़ा के बीच खेला गया,जिसमें नितोड़ा विजेता और झाडोली उपविजेता रहा मैच के दौरान समाज के युवाओं ने शानदार कमेंट्री करते हुए दर्शकों को मैच में बांधे रखा । प्रतियोगिता के समापन समारोह संबोधित करते हुए बीडीओ ललित कुमार ने कहा कि खेल की भी जीवन में बहुत बड़ी भूमिका होती है खेल में बहुत सीखने को मिलता है जीतना महत्वपूर्ण नहीं कार्यक्रम में भागीदार बनना सबसे बड़ी बात है खेल के दौरान हार जीत होती है, जिसमें एक टीम ही विजय रहती है और हारने वालों को भी जीत का प्रयास जारी रखना चाहिए। युवाओं को शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना चाहिए और पढ़ाई के साथ साथ अपना पुस्तैनी व्यापार को भी बढ़ाना चाहिए क्योंकि आज कल नौकरियां कम होती जा रही है इसके लिए व्यापार को आगे बढ़ाए कार्यक्रम में खिलाड़ियों ने पिंडवाड़ा प्रतिपक्ष नेता क्रिकेट प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए अध्यक्ष संजय गर्ग का बहुत आभार व्यक्त किया सभी समाज बंधु उपस्थित रहे।

पचपदरा के पेट्रो जोन में भूखंड आवंटन की प्रक्रिया शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बाड़मेर। राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) ने बालोतरा जिले में स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड (एचआरआरएल) के पास बने राजस्थान पेट्रो जोन (आरपीजेड) में जमीन आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह जोन प्रदेश की नई औद्योगिक प्रगति का बड़ा केंद्र बनने जा रहा है।

रीको ने हाल ही में डायरेक्ट अलॉटमेंट स्कीम 2025 के तहत पॉलिमर आधारित उद्योगों को 11 प्लॉट आवंटित किए हैं, जिनमें करीब 65 करोड़ रुपए का निवेश आने की संभावना है। रीको के अनुसार, रिफाइनरी में जल्द ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने वाला है, जिससे कई उद्यमी यहां उद्योग लगाने में रुचि दिखा रहे हैं। यह उद्योग रिफाइनरी से निकलने वाले डाउनस्ट्रीम उत्पादों को कच्चे माल के रूप में इस्तेमाल करेंगे। इन 11 प्लॉटों के अलावा, 25 उद्यमियों ने पेट्रोकेमिकल और प्लास्टिक उद्योग लगाने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे करीब 200 करोड़ रुपए का निवेश और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन होने की उम्मीद है।

प्राकृतिक गैस उत्पादन में बनेगी नई पहचान

राजस्थान पहले से ही कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य है। अब आरपीजेड के विकास से राज्य पेट्रोकेमिकल और प्लास्टिक निर्माण क्षेत्र में भी नई पहचान बनाने की दिशा में बढ़ रहा है।

उद्यमियों को मिलेगा प्रोत्साहन

छोटे और मध्यम उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए रीको "प्लग एंड प्ले" फैक्ट्री शेड्स भी तैयार कर रहा है। करीब 3 करोड़ रुपए लागत के आठ शेड्स निर्माणाधीन हैं, ताकि उद्यमी तुरंत उत्पादन शुरू कर सकें। इन इकाइयों को कच्चे माल की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। रिफाइनरी से मात्र 12 किमी दूर स्थित यह जोन अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्ग-25 से जुड़ा है। यहां प्लास्टिक, पॉलिमर प्रोसेसिंग, रबर, तकनीकी वस्त्र, रसायन और फार्मा जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश की संभावना है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे का एकदिवसीय चित्तौड़गढ़ दौरा आज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे आज चित्तौड़गढ़ प्रवास पर रहेंगे। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने बताया कि कार्यक्रमानुसार आज सायं 07.05 बजे वे सड़क मार्ग द्वारा सर्किट हाउस, चित्तौड़गढ़ के लिए प्रस्थान करेंगे तथा रात्रि 08.20 बजे सर्किट हाउस, चित्तौड़गढ़ पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे। राज्यपाल बागडे 29 अक्टूबर (बुधवार) को प्रातः 08.15 बजे सड़क मार्ग द्वारा राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के लिए प्रस्थान करेंगे।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

खनन परियोजना के विरोध में ग्रामीण अडिग, एक भी ग्रामीण नहीं पहुंचा शिविर में

भारजा में ग्रामीण सेवा शिविर का बहिष्कार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। पिण्डवाड़ा उपखंड के भारजा गांव में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का ग्रामीणों ने बहिष्कार कर दिया। किसी भी ग्रामीण ने शिविर में भाग नहीं लिया। ग्रामीण शिविर स्थल के सामने एकत्र होकर प्रस्तावित खनन परियोजना के खिलाफ विरोध जताते रहे। जानकारी के अनुसार, पिण्डवाड़ा क्षेत्र के भारजा, भीमाना, वाटेरा और रोहिड़ा क्षेत्र की लगभग 800.9935 हेक्टेयर भूमि पर जयपुर की मेसर्स कमलेश मेटा कास्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा चूना पत्थर खनन परियोजना प्रस्तावित है। इस परियोजना के विरोध में क्षेत्रवासी करीब डेढ़ महीने से लगातार आंदोलनरत हैं।

शिविर के दौरान पिण्डवाड़ा उपखंड अधिकारी नरेंद्र जांगिड़ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर

अडिग रहे। उन्होंने खनन परियोजना को क्षेत्र के पर्यावरण और जनजीवन के लिए घातक बताते हुए इसे पूर्णतः निरस्त करने की मांग रखी। ग्रामीणों ने शिविर प्रभारी एबीडीओ जितेन्द्र सिंह राणावत को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा और कहा कि जब तक परियोजना को रद्द नहीं किया जाता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। ग्रामीणों का कहना है कि खनन परियोजना शुरू होने पर उनकी कृषि भूमि, जल स्रोत और आजीविका पर गंभीर असर पड़ेगा। इस कारण उन्होंने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वे किसी भी सरकारी शिविर या कार्यक्रम में भाग नहीं लेंगे, जब तक सरकार उनकी मांग नहीं मान लेती।

राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

ग्रामीणों ने शिविर प्रभारी एबीडीओ जितेन्द्र सिंह राणावत को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि खनन परियोजना को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए। ज्ञापन में ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस दौरान भारजा ग्राम पंचायत के प्रशासक पुखराज प्रजापत सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

"हम अपनी मातृभूमि नहीं खोएंगे"

ग्रामीणों ने कहा कि जयपुर स्थित मेसर्स कमलेश मेटा कास्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पिण्डवाड़ा क्षेत्र की करीब 800.9935 हेक्टेयर भूमि पर खनन परियोजना प्रस्तावित की गई है। इस परियोजना में भारजा, भीमाना, वाटेरा और रोहिड़ा ग्राम पंचायतों की कृषि भूमि शामिल है। गांव वासियों का कहना है कि अगर यह खनन परियोजना शुरू हुई तो हजारों किसानों की आजीविका पर संकट आ जाएगा, भूजल स्तर गिर जाएगा, और खेत-खलिहान उजड़ जाएंगे। ग्रामीणों का कहना है "हम अपने बच्चों का भविष्य उजड़ते हुए नहीं देख सकते। चाहे कितनी भी कोशिशें हों, हम अपनी मातृभूमि की रक्षा करेंगे।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

Jagruk Janta World
R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758 | डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2024-26
/jagrukjanta /jagrukjantanews jagruk_janta
जयपुर, बुधवार
29 अक्टूबर - 4 नवम्बर, 2025
जागरूक दुनिया 08 जागरूक जनता
www.jagrukjanta.net

HAL और रूस की UAC के बीच SJ-100 के लिए बड़ा करार

भारत में बनेंगे पैसेंजर एयरक्रॉफ्ट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। भारत के सिविल एविएशन सेक्टर में मेक इन इंडिया (Aatmanirbhar Bharat) की दिशा में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। देश की डिफेंस पीएसयू हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) और रूस की पब्लिक ज्वॉइंट स्टॉक कंपनी यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन (PJSC-UAC) के बीच पैसेंजर एयरक्रॉफ्ट SJ-100 की भारत में मैन्युफैक्चरिंग के लिए बड़ा करार हुआ है। यह समझौता 27 अक्टूबर 2025 को मॉस्को में हुआ।

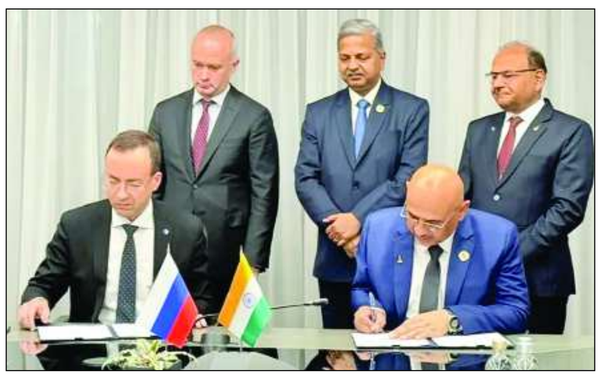

'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में ऐतिहासिक कदम

इस समझौते के अंतर्गत HAL को भारत में SJ-100 एयरक्राफ्ट बनाने का अधिकार मिलेगा। यह पहली बार होगा जब भारत में एक पूरी तरह पैसेंजर एयरक्राफ्ट तैयार किया जाएगा। आखिरी बार HAL ने AVRO HS-748 एयरक्रॉफ्ट का निर्माण 1961 से 1988 के बीच किया था। अनुमान है कि अगले 10 वर्षों में भारत को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए 200 से अधिक और भारतीय महासागर क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थलों के लिए 350 अतिरिक्त जेट एयरक्राफ्ट की आवश्यकता होगी। SJ-100 का निर्माण न केवल इस जरूरत को पूरा करेगा, बल्कि भारत के सिविल एविएशन सेक्टर में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ेगा। इस प्रोजेक्ट से प्राइवेट एविएशन इंडस्ट्री को मजबूती मिलेगी और सीधे व परोक्ष रोजगार के हजारों अवसर पैदा होंगे। HAL और UAC के बीच यह सहयोग दोनों संगठनों के बीच बढ़ते भरोसे और तकनीकी साझेदारी को दिखाता है।

SJ-100 से भारत की UDAN स्कीम बनेगी गेमचेंजर

SJ-100 एक ट्विन-इंजन, नैरो-बॉडी पैसेंजर एयरक्राफ्ट है। अब तक 200 से ज्यादा SJ-100 एयरक्राफ्ट तैयार किए जा चुके हैं और 16 से अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन की ओर से ऑपरेट हो रहे हैं। यह एयरक्राफ्ट भारत की UDAN योजना (Ude Desh ka Aam Nagrik) के तहत शॉर्ट-हॉल कनेक्टिविटी (कम दूरी की उड़ानों) में बड़ा बदलाव लाने वाला साबित होगा। एचएएल की ओर से प्रभात रंजन और यूएसी रूस की ओर से मिस्टर ओलेग बोगोमोलोव ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने की श्री खाटू श्याम जी कॉरिडोर विकास कार्यों की समीक्षा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में पर्यटन भवन, जयपुर में स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत श्री खाटू श्याम जी कॉरिडोर (सीकर) के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव, अतिरिक्त जिला कलक्टर, सीकर, सार्वजनिक निर्माण विभाग, आरएसआरडीसी, पीडीकोर, मंदिर कमेटी पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि श्री खाटू श्याम जी राजस्थान की सबसे प्रमुख धार्मिक नगरी है, जहां हर वर्ष लाखों की संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है, लेकिन इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है कि श्रद्धालुओं को बेहतर और सुगम अनुभव मिल सके। दिया कुमारी ने बताया कि भारत सरकार के स्वदेश दर्शन 2.0 कार्यक्रम के अंतर्गत खाटू श्याम जी में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक माहौल में की गई। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था, अतिक्रमण और पार्किंग की समस्याओं के समाधान के लिए एक विशेष कमेटी गठित की गई है, जो जल्द ही ठोस सुझाव प्रस्तुत करेगी।

मुख्य सचिव ने ली जल संसाधन विभाग की बैठक

राम जल सेतु लिंक परियोजना में हो गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियाँ भू-जल उपलब्धता के विपरीत हैं, जबकि राज्य की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर है। ऐसे में यह राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि किसान को सिंचाई और कृषि कार्यों के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो सके।

पंत मंगलवार को शासन सचिवालय में 100 करोड़ से अधिक लागत की 23 विभागीय परियोजनाओं एवं राम जल सेतु लिंक परियोजना से सम्बन्धित 7 कार्यों की प्रगति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राम जल सेतु परियोजना राज्य सरकार की फ्लैगशिप परियोजना है। जिससे राज्य के 17 जिले लाभान्वित हो रहे है। इसके मद्देनजर परियोजना के सभी कार्यों का गुणवत्तापूर्ण तरीके से समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि परियोजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए वर्तमान में प्रचलित सॉफ्टवेयर टूल्स का उपयोग कर योजनावार PERT-CPM तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों को समानांतर रूप से संचालित किया जा सकता है उन्हें एक साथ किया जाए ताकि संसाधनों और समय की बचत हो सके। निर्माण कार्यों में निविदा प्रक्रिया से लेकर कार्य संपादन समयसीमा को तर्कसंगत बनाया जाये ताकि योजनाओं का लाभ आमजन को त्वरित प्राप्त हो सके।

यहाँ दी गई जानकारी केवल जनसाधारण के लिए सूचना उद्देश्यों से उपलब्ध कराई गई है; इसे किसी स्वास्थ्य समस्या या रोग का निदान करने या उपचार करने के लिए प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। यह किसी स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से परामर्श का विकल्प नहीं है। कृपया आगे की सलाह, निदान या उपचार के लिए अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से संपर्क करें। प्रस्तुत जानकारी केवल डेंगू के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से है और इसका उद्देश्य किसी विशेष उत्पाद के प्रचार-प्रसार से संबंधित नहीं है। यहाँ दी गई जानकारी/सामग्री के संबंध में किसी भी प्रकार का कोई प्रतिपादन या वारंटी नहीं दी गई है। इस सामग्री में कॉपीराइट से संरक्षित जानकारी एवं सामग्री सम्मिलित है; जिसका उपयोग कानून द्वारा सीमित है और इस सामग्री को किसी भी व्यक्ति द्वारा अपनी उपयोगिता हेतु या आगे वितरण के लिए पुनः उत्पादित, प्रतिकृत, उपयोग या संशोधित नहीं किया जा सकता। TAKEDA और Takeda Takeda Pharmaceutical Company Limited के ट्रेडमार्क अथवा पंजीकृत ट्रेडमार्क हैं।

संदर्भ: विश्व स्वास्थ्य संगठन। डेंगू। www.who.int/news-room/fact-sheets/detail/dengue-and-severe-dengue (25 सितम्बर 2025 को एक्सेस किया गया)।

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : **jagrukjantanews@gmail.com** (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक - **चेतेन्द्र कुमार मिश्रा**

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राज्यपाल हरीभाऊ बागड़े से की शिष्टाचार भेंट, दीपावली की दी बधाई

जयपुर @ जागरूक जनता। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजभवन, जयपुर में राज्यपाल हरीभाऊ बागड़े से स्नेहिल शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने राज्यपाल को दीपावली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों के बीच राज्य के जनकल्याणकारी विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। राज्यपाल ने उपमुख्यमंत्री को अपने प्रेरणादायी मार्गदर्शन से अवगत कराया तथा राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती

31 अक्टूबर से 25 नवम्बर तक होगी पदयात्राएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केन्द्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय ने गत 6 अक्टूबर को सरदार @150 कम्यूनिटी मार्च अभियान शुरू किया है। 2 माह तक चलने वाले इस राष्ट्रीय अभियान का समापन आगामी 6 दिसम्बर को होगा। अभियान को पूर्ण जन भागीदारी से संचालित कर देशवासियों विशेषकर युवाओं को सरदार पटेल की विरासत के बारे में जागरूक कर विरासत के प्रति व्यक्तिगत और सामूहिक कृतज्ञता अर्पित करने, उनमें राष्ट्रीय एकता और देश सेवा की भावना को अधिक विकसित करना है। 31 अक्टूबर से 25 नवम्बर तक जिला स्तरीय पदयात्राएं आयोजित होंगी। 26 नवम्बर को सरदार पटेल की जन्म स्थली करमसाड़ से 150 किमी लम्बी पदयात्रा शुरू होगी। पदयात्रा के 6 दिसम्बर को एकता नगर (स्टेच्यू ऑफ यूनिटी) पहुंचने के साथ ही अभियान का समापन होगा। अभियान में युवा मामले, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन, सूचना एवं जनसम्पर्क और गृह विभाग, माई भारत और एनएसएस के कार्मिक सक्रिय भूमिका निभाएंगे। यह अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण कड़ी है। नागरिकों को पदयात्रा, प्रतियोगिता आदि पहल के माध्यम से इस अभियान से जोड़ा जा रहा है।

यूनिटी मार्च सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के सम्मान में एक राष्ट्रव्यापी पहल है। यह एक भारत-श्रेष्ठ भारत के घटक के रूप में देश को एकजुट करने में सरदार पटेल की अद्वितीय भूमिका का प्रतीक है, यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के मिशन की कड़ी है। इस अभियान में युवाओं की बेहतर भागीदारी के लिए सरदार @150 यंग लीडर्स क्विज, सरदार @150 रील कम्पीटिशन और सरदार @150 निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस सम्बंध में जानकारी https://mybharat.gov.in/pages/unity_march पर उपलब्ध है। पदयात्रा के साथ जिलों में विकासात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जल निकायों में स्वच्छता अभियान, सरदार उपवन पहल के तहत पौधारोपण, महिला कल्याण शिविर, योग और स्वास्थ्य शिविर और वोकल फॉर लोकल अभियान शामिल हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य नागरिकों को जुटाना, स्थानीय नवाचार का जश्न मनाना और युवा ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण में लगाना है।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन जयपुर जिला इकाई का अन्नकूट महोत्सव 31 को

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन राजस्थान प्रदेश जयपुर जिला इकाई के शपथ ग्रहण समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव

का भव्य आयोजन रामेश्वरम मैरिज गार्डन सीकर रोड जयपुर के सभागार में 31 अक्टूबर शुक्रवार को, मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं अतिथि श्री बालमुकुंद आचार्य विधायक हवा महल विधान सभा राजस्थान सरकार की गरिमामयी उपस्थिति में होगा। शपथ ग्रहण समारोह, कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे जयपुर जिला इकाई के सभी सम्माननीय सदस्यगण, राष्ट्रीय सलाहकार राधेश्याम अग्रवाल ने कहा अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन जयपुर जिला इकाई द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव यह पहला कार्यक्रम होगा जो इतिहास रचेगा, राष्ट्रीय सलाहकार राधेश्याम अग्रवाल ने सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों, जिला इकाई के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं गणमान्य सदस्यों से अनुरोध किया है कि आप अपने इष्ट मित्र परिवार के सदस्यों को भी कार्यक्रम में साथ में लाए ताकि संस्था परिवार द्वारा आयोजित भव्य समारोह के हम सभी इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनें। अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार मित्तल ने अपने शुभकामना संदेश में सभी नव नियुक्त पदाधिकारियों को इस शुभ अवसर पर बधाई एवं शुभकामना प्रेषित करते हुए कहा है कि जयपुर जिला इकाई अपने सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों द्वारा पूरे राजस्थान प्रदेश में कृतिमान स्थापित करेगी, अंतर्राष्ट्रीय संस्थापक कोषाध्यक्ष गणेश भरतीया एवं राष्ट्रीय महिला इकाई अध्यक्षा सुशीला फरमानिया ने भी जयपुर जिला इकाई के गठन के लिए सभी ऊर्जावान साथियों एवं मातृ नारी शक्ति बहनों का आभार जताया है और कहा कि जयपुर इकाई समाज के अंतिम छोर के सदस्यों को अपने साथ लेकर रचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाएगी, शपथ ग्रहण समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से सक्रिय भूमिका में राष्ट्रीय सलाहकार राधेश्याम अग्रवाल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री पवन कुमार मित्तल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य महिला इकाई वसुंधरा मित्तल,राजस्थान प्रदेश संयोजक ओम प्रकाश अग्रवाल, राजस्थान प्रदेश कोर कमेटी सदस्य युवा मनीष गोयल एवं सभी सम्माननीय सदस्य अपने अपने स्तर पर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने में जुटे हुए हैं राष्ट्रीय सलाहकार राधेश्याम अग्रवाल ने अपने भावनात्मक संदेश में कहा कि मैंने अपने जीवन काल में जिस संगठन में अपने भागीदारी निभाई है आज तक उस संगठन में ईमानदारी, लगन और मेहनत के साथ कार्य किया है और जो आज मेरी यह पहचान है मेरी पहचान नहीं है केवल मेरे काम की पहचान है साथियों कार्य करने वाले का नाम अपने आप जनता के बीच में स्वयं आ जाता है इसलिए अपनी पहचान आपका काम करवाता है इस लिए हमें अपने जीवन में सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि सही समय पर समाज आपके कार्यों का मूल्यांकन कर सके। जयपुर जिला इकाई द्वारा आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में 31 पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण दिलाई जाएगी जो हम सभी के लिए गौरवशाली क्षण होगा जयपुर जिला इकाई में मुख्य, महिला एवं युवा इकाई के सभी ऊर्जावान साथियों जिसमें मुख्य रूप से जयपुर जिला इकाई अध्यक्ष प्रकाश मित्तल, महामंत्री निर्मल गुप्ता, कोषाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, जयपुर जिला महिला इकाई अध्यक्षा पूजा पंसारी, महामंत्री नमिता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ऋचा गुप्ता एवं युवा जयपुर जिला इकाई अध्यक्ष पंकज गोयल, महामंत्री दशरथ अग्रवाल कोषाध्यक्ष मनोज गोयल के साथ साथ जयपुर जिला की समस्त इकाइयों के वरिष्ठ पदाधिकारीगण, कार्यकारिणी समिति के सदस्य भी शपथ लेंगे।

रेलवे स्टेशन क्षेत्र में नगर परिषद ने अतिक्रमण हटाया, हाथ ठेले पुराने पार्क में शिफ्ट किए

वर्षों पुराने प्याऊ को सब्ज़ी विक्रेताओं का अतिक्रमण आज भी मौजूद

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। नगर परिषद प्रशासन ने रविवार को रेलवे स्टेशन क्षेत्र में अतिक्रमणकारियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की। प्रशासक एडीएम विनोद मल्होत्रा और आयुक्त कृष्ण गोपाल माली के नेतृत्व में नगर परिषद की टीम ने मौके पर पहुंचकर हाथ ठेला व्यवसायियों सहित अतिक्रमण करने वालों को हटाया। लेकिन स्टेशन के सामने ही बने वर्षों पुराने प्याऊ और नाले पर अतिक्रमण करके बैठे सब्जी विक्रेताओं को द्वारा बनाए गए प्लेटफार्म को खाना पूर्ति करके तोड़ा । जिसके बाद अगले दिन फिर से सब्जी विक्रेता ने वहां पेटी रखी दी और चबूतरे पर अतिक्रम जमा दिया। जिसके कारण प्याऊ पर्यटकों के नजरों से ओझल हो जाता है।

कार्यवाही के दौरान फुटकर व्यापारियों को पास ही स्थित एक पार्क के अंदर व्यापार करने के लिए वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराया गया, जिससे आमजन को भी आवागमन में राहत मिल सके। वर्षों पुराने नगर परिषद के प्याऊ को सब्जी विक्रेताओं के कब्जे से मुक्त करवाते हुए यहां किए गए अतिक्रमण को पूरी तरह हटाया गया।

नगर परिषद की टीम ने वर्षों पुराने प्याऊ और नाले को सब्जी विक्रेताओं के अतिक्रमण से मुक्त करवाया। मौके पर बनाए गए अवैध चबूतरे को भी जेसीबी की सहायता से ध्वस्त किया गया। प्रशासन का कहना है कि शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण मुक्त करने की यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। वहीं दूसरी ओर शाम होते-होते व्यवस्था जो कि क्यों हो गई सड़क पर अवैध ऑटो रिक्शा सड़कों पर खड़ा होकर जाम करने लग गए जिससे आने वाले पर्यटकों को यहां से निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। नगर परिषद अतिक्रमण दस्ता तो अपना काम करके निकल गया लेकिन यातायात की व्यवस्था फिर से ज्यों की त्यों रह गई। कार्रवाई के दौरान नगर परिषद राजस्व अधिकारी कमलेंद्र प्रताप सिंह सिसोदिया, स्वास्थ्य निरीक्षक सत्यनारायण बेनीवाल, सूरज घावरी, बालमुकुंद घारू, गैराज इंचार्ज किशन सिंह,जमादार राहुल सिंगोलिया सहित नगर परिषद कर्मचारी मौजूद रहे।

लीलाधारी हनुमान मंदिर में धूमधाम से मनाया अन्नकूट महोत्सव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित जे.पी. कॉलोनी लीलाधारी हनुमान मंदिर में हर वर्ष की भांति अन्नकूट महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर राम प्रसाद लड्ढ़ा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्थानीय निवासियों के सहयोग से लीलाधारी हनुमान मंदिर में अन्नकूट महोत्स आयोजित किया गया। इस अवसर पर हनुमान जी और महादेव जी का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके अलावा सुंदर कांड के पाठ आयोजित किए गए। दोपहर के समय हनुमान जी, महादेव जी को व्यंजनों का भोग लगाकर अन्नकूट का वितरण किया गया। इससे पहले मंदिर में महाआरती की गई। इस मौके पर स्थानीय निवासियों ने आनन्द से अन्नकूट प्रसादी का आनन्द लिया।

संघर्ष समिति ने राज्यसभा सांसद नीरज डांगी को पिण्डवाड़ा में प्रस्तावित खनन परियोजना को निरस्त करवाने हेतु सौंपा ज्ञापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। पिण्डवाड़ा तहसील क्षेत्र में प्रस्तावित चूना पत्थर खनन परियोजना के विरोध में संघर्ष समिति के प्रतिनिधि मंडल ने राज्यसभा सांसद नीरज डांगी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने सांसद से आग्रह किया कि करीब 800.9935 हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रस्तावित खनन परियोजना को लेकर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। यह मुद्दा राज्यसभा में उठाकर भारत सरकार के समक्ष क्षेत्र की जनता की भावनाएं रखी जाएं और परियोजना को तत्काल निरस्त करवाया जाए। सांसद नीरज डांगी ने प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि वे इस मामले में हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज को दबने नहीं दिया जाएगा और वे जल्द ही क्षेत्र में आकर ग्रामीणों से प्रत्यक्ष संवाद करेंगे।

ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधि मंडल में संघर्ष समिति के पदाधिकारियों के साथ कई सामाजिक कार्यकर्ता व ग्रामीण शामिल रहे। इस दौरान कांग्रेस नेता बलवंत चौधरी, निरंजन पुरोहित, तुषार घांची (स्वरूपगंज), दीपक अग्रवाल, केसाराम, भुवनेश कुमार सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

ज्ञात रहे कि बीते करीब एक महीने से वाटेरा, भारजा, रोहिड़ा और भीमाना ग्राम पंचायतों सहित दर्जनभर गांवों में इस खनन परियोजना के विरोध में लगातार आंदोलन चल रहा है। ग्रामीण सड़कों पर उतरकर रैलियां और विरोध सभाएं आयोजित कर रहे हैं। जनता के बढ़ते आक्रोश के बीच सत्ता पक्ष के नेताओं की चुप्पी अब गंभीर सवालों के घेरे में है। स्थानीय लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि आखिर क्यों सत्ता और विपक्ष दोनों ही इस संवेदनशील मुद्दे पर अब तक खुलकर सामने नहीं आ रहे।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय

अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन

विवाह को जीवन का विलंबित निर्णय नहीं, समय पर लिया गया श्रेष्ठ निर्णय बनाएं - अग्रवाल

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोलकाता। अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय

चेयरमैन (अग्र कार्य योजना) जगदीश प्रसाद अग्रवाल बिलहा ने इस संदर्भ में समाज के समक्ष एक सारगर्भित विश्लेषण करते हुए कहा कि - "आज भारतीय समाज के समक्ष विवाह योग्य युवक- युवतियों का समय पर विवाह न हो पाना एक अत्यंत जटिल और गंभीर सामाजिक समस्या के रूप में उभर रहा है। इस स्थिति की जड़ में हमारी ही विलंबित सोच, अनिर्णय और तथाकथित अधिक योग्य विकल्पों की अंतहीन खोज प्रमुख कारण बन चुके हैं।"

उन्होंने कहा कि - "विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों और संस्कृतियों का मिलन है। अतः इसका समय पर सम्पन्न होना जीवन की स्थिरता, संतुलन और सुख का आधार है।" उन्होंने बताया कि - जीवन के युवा चरण को यदि हम विवाह योग्य आयु के चार पंचवर्षीय समूहों में विभाजित करें, तो उनकी वास्तविकता समाज को नई दृष्टि प्रदान करती है –

1. प्रथम अवस्था (21-25 वर्ष) : यह विवाह के लिए सर्वश्रेष्ठ आयु-वर्ग है। भारतीय शिक्षा प्रणाली में सामान्यतः सभी प्रकार की शिक्षा 20-21 वर्ष की आयु तक पूर्ण की जा सकती है। इस अवधि के पश्चात हमारे बच्चे विवाह योग्य प्रथम अवस्था (21 से 25 वर्ष) में प्रवेश कर जाते हैं। यह आयु-वर्ग सरलता, लचीलापन और स्वाभाविक समझ- बूझ से परिपूर्ण होता है। निर्णय शीघ्र होते हैं, मतभेद न्यूनतम रहते हैं और अधिकतम सामंजस्य स्थापित हो पाता है। इस अवस्था में अधिकतम् 10% से 20% तक समझौते की आवश्यकता होती है।

2. द्वितीय अवस्था (26-30 वर्ष) : संघर्ष का आरंभ यहीं से होता है। शिक्षा के साथ-साथ कैरियर निर्माण की पूंजीवादी दौड़ और बढती अपेक्षाएं, आज इतनी प्रबल हो चुकी है कि हम "अच्छे" और "और भी अच्छे" की तलाश में, प्रथम अवस्था की स्वर्णिम अवधि को नज़र- अंदाज़ कर देते हैं। परिणाम स्वरूप, जब हमारे बच्चे द्वितीय अवस्था (26 से 30 वर्ष) में पहुँच जाते हैं, तो परिपक्वता के साथ- साथ जटिलता भी बढ़ जाती है। अब विचार- विमर्श लंबा खिंचता है, निर्णय कठिन हो जाते हैं और 40% से 60% तक या और अधिक भी समझौता करना पड़ता है।

3. तृतीय अवस्था (31-35 वर्ष) : नैराश्य का आरंभ यहीं से होता है। इस अवस्था में नैराश्य के साथ साथ हिचकिचाहट बढ़ने लगती है। अब निर्णय अत्यंत कठिन हो जाता है, मन में शंका और अस्थिरता बढ़ जाती है। फल-स्वरूप, 60% से 80% तक या और अधिक भी समझौते करने पड़ते हैं।

4. चतुर्थ अवस्था (35 वर्ष से अधिक) : यह विवशता और एकाकीपन की अवस्था है। यह वह अवस्था है जहाँ नैराश्य, चिंता और सामाजिक दबाव चरम पर पहुँच जाता है। अब निर्णय भावनात्मक नहीं, बल्कि विवशता के स्तर पर लिए जाते हैं। समझौते की सीमा 80% से 100% या और अधिक भी पहुँच जाती है - और फिर भी अनेक लोग अविवाहित रह कर लिव- इन रिलेशनशिप या एकाकी जीवन की ओर प्रवृत होने हेतु विवश हो जाते हैं।

अग्रवाल ने निष्कर्ष स्वरूप कहा कि - "इन तथ्यों से यह स्पष्ट है कि यदि हम अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य, मानसिक संतुलन और पारिवारिक स्थिरता की चिंता करते हैं, तो विवाह का सर्वाधिक उपयुक्त समय प्रथम अवस्था (21-25 वर्ष) ही है। यही समय जीवन को सही दिशा और समाज को स्थिरता प्रदान करता है।"

अंत में उन्होंने समाज के सभी अभिभावकों और संस्थाओं से अपील की कि - "विवाह को जीवन का विलंबित निर्णय नहीं, बल्कि समय पर लिया गया श्रेष्ठ निर्णय बनाएं। क्योंकि समय पर किया गया विवाह ही जीवन को सार्थक और संतुलित बनाता है।"